कमल संदेश

ikf{kd if=dk

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक

संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य

सत्यपाल

कला संपादक

विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : 100/-

त्रि वार्षिक : 250/-

संपर्क

InL;rk : +91(11) 23005798

Qksu (dk-) : +91(11) 23381428

QSDl : +91(11) 23387887

पता : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003

ई–मेल

kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक – प्रभात झा

विषय-सूची

प्रधानमंत्री का विदेश प्रवास

भारत–रूस मिलकर बनाएंगे हेलीकॉप्टर........ 6

अफगान संसद में बोले मोदी........ 8

लाहौर में नवाज शरीफ से मिले प्रधानमंत्री मोदी........ 9

संगठनात्मक गतिविधियां

म.प्र. : नंदकुमार सिंह चौहान दूसरी बार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष निर्वाचित.... 13

छ.ग. : धरम लाल कौशिक दूसरी बार बने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष........ 14

हि.प्र. : सतपाल सत्ती तीसरी बार बने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष........ 15

उत्तराखंड : अजय भट्ट बने प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष........ 15

सरकार की उपलब्धियां

सरदार पटेल जयंती पर 'एकता दौड़' का आयोजन........ 10

प्रधानमंत्री द्वारा हेलीकॉप्टर मैन्यूफैक्चरिंग इकाई का शिलान्यास........ 10

18,000 गांवों में बिजली पहुंचाने का मिशन........ 11

दिल्ली–मेरठ हाईवे का शिलान्यास........ 12

वैचारिकी

भाजपा के भविष्य से देश का भविष्य जुड़ गया है
– **अटल बिहारी वाजपेयी**........ 16

हमारे प्रेरणास्रोत

नेताजी सुभाष चंद्र बोस........ 18

लेख

शीतकालीन सत्र : कुछ प्रश्न – कुछ विचार
– **अरुण जेटली**........ 19

अन्य

दलित इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की)........ 20

बेंगलुरू में फ्रंटियर्स इन योगा रिसर्च एंड इट्स एप्लीकेशन पर सम्मेलन...... 21

मन की बात........ 25

पठानकोट वायुसेना एयरबेस पर हमला........ 29

गुरु गोविन्द सिंह जयंती पर उन्हें शत-शत नमन!

सोशल मीडिया से...

फेसबुक

श्री नरेंद्र मोदी

संन्यासी, संत, ऋषि और मठ ने हमेशा हमारे समाज को समृद्ध किया है और राष्ट्र निर्माण में काफी योगदान दिया है।

.....

श्री अमित शाह

आदरणीय श्री कुशाभाऊ ठाकरे एक ऐसे संगठन-शिल्पी थे जिन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को नि:स्वार्थ भाव से गढ़ा और संगठन को अभूतपूर्व शक्ति प्रदान की।

.....

श्री मुरलीधर राव

पठानकोट में हुए आतंकी हमले का प्रखर और प्रभावी जवाब देने के लिए हमारे सुरक्षा प्रहरियों को सलाम। शहीदों को श्रद्धांजलि!

.....

श्रीमती स्मृति ईरानी

शिक्षा राष्ट्र के चरित्र-निर्माण के लिए एक ताकत बननी चाहिए। हमारा नया समग्र दृष्टिकोण युवा भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने में सहायक हो रहा है। यह सभी के लिए अवसर पैदा करने हेतु प्रयास करता है।

.....

twitter

श्री नरेंद्र मोदी *@narendramodi*

सबका साथ, सबका विकास... भारत की विविधता भारत की शक्ति है और यह विशिष्ट तरीके से राष्ट्र को समृद्ध करती है।

.....

श्री राजनाथ सिंह *@BJPRajnathSingh*

पठानकोट हमले में हमने सुरक्षाकर्मियों को खो दिया है। उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। हम उनके बलिदान को कभी नहीं भूल सकते हैं।

.....

श्री रविशंकर प्रसाद *@rsprasad*

सेलुलर जेल भारत का तीर्थ-स्थल है जो हमें देश सेवा की प्रेरणा देता है।

वीर सावरकर की कोठरी में जाकर आंखें नम हो जाती हैं। 11 साल उन्होंने इस कोठरी में काटे, जिसके नीचे फांसी दी जाती थी।

.....

पाथेय

गणतंत्र की रक्षा

भारतीय लोकतंत्र के प्राण 65 करोड़ लोगों की समानता की उत्कट आकांक्षा और शोषण की स्थितियों से मुक्ति की तीव्र आतुरता में बसते हैं। जो लोकतंत्र से खिलवाड़ करना चाहते हैं, उन्हें इतिहास लोकचेतना की तूफानी धारा में बहाकर ले जाएगा। आवश्यकता इस बात की है कि गणतंत्र की रक्षा नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना के इस संघर्ष में हम किसानों, मजदूरों, ग्रामीण गरीबों, दस्तकारों, युवकों, छात्रों तथा महिलाओं को भागीदार बनाएं तथा उनमें यह विश्वास पैदा करें कि अपनी स्थिति को सुधारने का उनका यत्न यथास्थिति को एकजुट होकर बदलने से ही पूरा होगा।

- अटल बिहारी वाजपेयी

(संदर्भ : प्रथम अध्यक्षीय भाषण, राष्ट्रीय परिषद्, मुंबई, 28-30 दिसंबर 1980)

आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करे शरीफ

देश की रक्षा में हुए शहीदों को राष्ट्र नमन करता है। आने वाले समय में इन शहीदों के अतुल्य पराक्रम एवं शौर्य को देश की जनता याद रखेगी। पठानकोट के एयरबेस में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को देश के वीर सैनिकों ने बड़ा पाठ पढ़ाया और उनके नापाक इरादों को ध्वस्त कर दिया। जन-जन के हृदय में देश के इन शहीदों का नाम अमर हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पठानकोट के आतंकवादी हमले की कड़ी भर्त्सना करते हुए इन्हें मानवता का दुश्मन करार दिया है। राष्ट्र अपने सुरक्षा बलों को प्रणाम करता है जिसने आतंकवादी हमले को अपनी वीरता का परिचय देते हुए नाकाम किया।

भारत लम्बे समय से आतंकवादी हमलों को झेल रहा है। जब पूरा विश्व भी 'आतंकवाद' जैसे शब्द से परिचित नहीं था, भारत आतंकी हमलों का शिकार होता रहा है। भारत में आतंकवाद सीमा पार से आया जिसके भयानक हमलों में कई निरपराध लोग मारे जाते रहे। इसमें कोई शक नहीं इन आतंकी हमलों के तार पाकिस्तान में फल-फूल रहे कई आतंकवादी संगठनों से जुड़े रहे हैं। इनमें से कई आतंकवादी संगठन पूरे विश्व में प्रतिबंधित हैं पर पाकिस्तान की धरती पर जमे हुए हैं। पाकिस्तान की राजनीति जो तानाशाही और लोकतंत्र के बीच झूलती रही है, वहां के विभिन्न सत्ता केन्द्रों के शह पर इन आतंकवादी संगठनों को ताकत मिली।

भारत निरंतर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के विषय की गंभीरता से उठाता रहा है। हाल के वर्षों में और विशेषकर अमेरिका पर 9/11 के हमले के बाद पूरा विश्व इसे विश्व शांति एवं सद्भाव के लिए गंभीर खतरा मानने लगा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस मुद्दे को सभी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाया है। उन्होंने पूरे विश्व का ध्यान आतंकवाद के गंभीर खतरों की ओर खींचा है तथा ब्रिक्स से लेकर संयुक्त राष्ट्र तथा अमेरिका से जापान एवं इंग्लैण्ड से चीन तक के अपने दौरों के एजेंडों पर इसे प्रमुखता से रखा है।

अपने पड़ोसियों से संबंध बेहतर करने में भारत कभी पीछे नहीं रहा। इसका एक बड़ा उदाहरण तब देखने को मिला जब अपने शपथ ग्रहण समारोह में नरेन्द्र मोदी ने सार्क देश के नेताओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया। पाकिस्तान के साथ संबंध विशेषकर सीमापार आतंकवाद के संदर्भ में कभी पूर्णत: अनुकूल नहीं रहे। बेहतर संबंध के लिए अनेक कदम उठाने के बाद भी सीमा पर से आतंकवादी हमले होते रहे हैं। पठानकोट एयरबेस पर हुआ आतंकी हमला हाल का सबसे बड़ा उदाहरण है। 26/11 का मुंबई आतंकी हमले के घाव भी अब तक देश के स्मृति में हरे हैं। इस हमले के पाकिस्तान से संचालित एवं अंजाम देने के पुख्ते सबूत के बाद भी अब तक पाकिस्तानी शासन अपराधियों को दंडित करने में नाकाम रहा है।

यह ठीक है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने पहली बार हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऐसी आतंकी घटना के बाद फोन किया। लेकिन अब पठानकोट हमले के जिम्मेदार लोगों को दंडित कर पाकिस्तान को यह साबित करना होगा कि वह आतंकवाद के खिलाफ कार्यवाही करने के प्रति गंभीर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दृढ़ता से पाकिस्तान को त्वरित कार्रवाई करने को कहा है। भारत ने वे सभी प्रमाण भी पाकिस्तान को उपलब्ध करा दिया है जिससे पठानकोट हमले की साजिश उजागर होती है। यदि नवाज शरीफ अपने आश्वासन के अनुरूप आतंकवादियों के विरूद्ध त्वरित एवं निर्णायक कार्रवाई करते हैं तो भारत-पाकिस्तान के संबंधों में सुधार होगा। यह समय है नवाज शरीफ को कार्रवाई करने का। ■

भारत-रूस मिलकर बनाएंगे हेलीकॉप्टर

16 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 23-24 दिसंबर को रूस की महत्वपूर्ण यात्रा की। इस दौरान भारत और रूस ने अपने सामरिक संबंधों को और गति प्रदान करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में 16 समझौतों पर हस्ताक्षर किए जिसमें सैन्य हेलीकाप्टर के संयुक्त निर्माण और 12 परमाणु संयंत्र स्थापित करना शामिल है, जिसमें भारत की स्थानीय कंपनियों की सहभागिता होगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति श्री ब्लादीमिर पुतिन के बीच सघन वार्ता के दौरान आतंकी समूहों और इसके निशाने वाले देशों के बीच बिना किसी भेदभाव और अंतर किए एकजुट होकर पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने की जरूरत को रेखांकित किया गया।

दोनों पक्षों के बीच बातचीत के दौरान व्यापक मुद्दों पर चर्चा की गई जिसमें आतंकवाद, रक्षा, सुरक्षा और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग के साथ कारोबार एवं निवेश बढ़ाने के विषय शामिल हैं। चर्चा के दौरान लोगों की आवाजाही को आसान बनाने पर भी जोर दिया गया। बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने 16 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच हुए 16 समझौतों में एक भारत में कोमोव 226 हेलीकाप्टर के निर्माण का समझौता शामिल है। यह मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत प्रमुख रक्षा सहयोग परियोजना है।

परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग के बारे में श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ रहा है और भारत में दो स्थानों पर 12 रूसी रिएक्टर स्थापित करने की दिशा में भी प्रगति हो रही है। श्री पुतिन ने कहा कि तमिलनाडु में कुडनकुलम परमाणु संयंत्र की दूसरी इकाई कुछ सप्ताह में सेवा में शामिल हो जाएगी जिसका निर्माण रूस ने किया है और इसकी तीसरी और चौथी इकाई का भारत में स्थानीय तौर पर निर्माण किए जाने के बारे में एक महत्वपूर्ण समझौता किया। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण उपयोग रूस-भारत सामरिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है। दोनों नेताओं ने कुडनकुलम परमाणु संयत्र परियोजना की दिशा में प्रगति की सराहना की और चालू एवं आने वाली

के लिए वार्ता अग्रिम चरण में है।

श्री पुतिन ने बताया कि रूस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के प्रयासों का पुरजोर समर्थन करता है। श्री पुतिन ने कहा कि वह (भारत) इसका पात्र और मजबूत उम्मीदवार है जो इस विश्व निकाय में स्वतंत्र और जिम्मेदार पहल को आगे बढ़ा सकता है।

परमाणु क्षेत्र में दोनों पक्षों ने 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत भारतीय कंपनियों की सहभागिता के साथ रूसी डिजाइन वाले परमाणु रिएक्टर इकाइयों परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी से काम करने पर सहमति व्यक्त की ।

दोनों नेताओं के बीच वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में आतंकवाद पर चिंता व्यक्त करते हुए दोनों पक्षों ने इस वैश्विक बुराई के खिलाफ संयुक्त लड़ाई पर जोर दिया और इस संबंध में चुनिंदा और दोहरा मापदंड नहीं अपनाने की बात कही गई।

'साझा विश्वास के नए आयाम' शीर्षक के संयुक्त बयान में कहा गया है: दोनों पक्षों ने रूस के सहयोग से स्थापित किए जाने वाले अतिरिक्त छह

परमाणु रिएक्टर इकाइयों के लिए भारत में दूसरे स्थल की पहचान करने में हुई प्रगति का स्वागत किया। संयुक्त प्रेस बयान में कहा कि परमाणु उर्जा के क्षेत्र में हमारे सहयोग की गति बढ़ रही है।

श्री मोदी ने कहा कि आज हुए समझौते से इन रिएक्टरों के संबंध में भारतीय विनिर्माण हिस्सेदारी बढ़ेगी। यह मेक इन इंडिया के मेरे मिशन का समर्थन करता है। मैं इस सहयोग के लिए राष्ट्रपति पुतिन को धन्यवाद करता हूं। रक्षा सहयोग के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में कामोव 226 हेलीकाप्टर के निर्माण के लिए अंतर सरकारी समझौता 'मेक इन इंडिया' मिशन के तहत प्रमुख रक्षा कार्यक्रम है। यह सही अर्थों में हमारा सबसे महत्वपूर्ण रक्षा सहयोगी है।

साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि मैं हमेशा से हमारी सामरिक भागीदारी का सम्मान करता रहा हूं। मैंने हमेशा से इसकी सराहना की। यह भारत के लिए रक्षा, विकास और कूटनीति में सफलता और शक्ति का स्रोत रहा है। और हमारे लोगों के बीच आपसी सद्भावना और सम्मान है।

श्री मोदी ने कहा कि हमने भविष्य की इस रणनीतिक साझेदारी के चरित्र की नींव रखी है। 'मेक इन इंडिया मिशन' के तहत रक्षा मंच पर भारत में कामोव 226 हेलीकॉप्टरों के निर्माण को लेकर अंतर-सरकारी करार पहली परियोजना है। रक्षा के क्षेत्र में रूस हमारा बेहद महत्वपूर्ण साझेदार है।

राष्ट्रपति श्री पुतिन की ओर से प्रधानमंत्री को उपहार

रुस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन ने 23 दिसंबर की शाम को क्रेमलिन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत की। राष्ट्रपति श्री पुतिन ने प्रधानमंत्री को महात्मा गांधी की डायरी के पृष्ठ भेंट किये। इन पृष्ठों में गांधीजी के हाथों से लिखे हुए नोट्स हैं। राष्ट्रपति श्री पुतिन ने प्रधानमंत्री को बंगाल प्रांत की 18वीं सदी की एक भारतीय तलवार भेंट की। इस तलवार पर चांदी से खूबसूरत कलात्मक कार्य किया गया है।

उन्होंने कहा कि हमने कई अन्य रक्षा प्रस्तावों पर प्रगति की है। इनसे भारत में रक्षा विनिर्माण में मजबूती आएगी। इनसे भारत अगली पीढ़ी के रक्षा संबंधी साजो-सामान के निर्माण को लेकर और तत्पर रहेगा। परमाणु ऊर्जा में हमारे सहयोग की गति तेज हुई है।

श्री मोदी ने कहा कि हाइड्रोकार्बनों के दुनिया के सबसे बड़े भंडारों में से एक होने के चलते व मजबूत सामरिक साझेदारी के कारण रूस भारत में ऊर्जा सुरक्षा का अहम स्त्रोत बन सकता है। राष्ट्रपति पुतिन के समर्थन से हम रूसी हाइड्रोकार्बन सेक्टर में भारतीय निवेश और बढ़ा रहे हैं।

संयुक्त बयान में श्री मोदी ने कहा कि हम लॉजिस्टिक्स पर भी काम कर रहे हैं। हमारा ग्रीन कॉरिडोर प्रोजेक्ट शुरू हो चुका है। ईरान के जरिए अंतर्राष्ट्रीय नॉर्थ साउथ ट्रांजिट कॉरिडोर से परिवहन में लगने वाले समय और दाम में कमी आएगी।

उन्होंने कहा कि हम भारत-यूरेशियाई आर्थिक संघ मुक्त व्यापार समझौते की ओर आगे बढ़ रहे हैं। इससे मध्य एशिया में भी फायदा होगा। हम अपने निजी क्षेत्र को आपस में जुड़ने के लिए और प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमने अभी एक सीईओ फोरम की उत्कृष्ट बैठक भी की है। आज हुए समझौतों और घोषणाओं ने मुझे काफी आत्मविश्वास दिया है, हम इनकी बदौलत दोनों दिशाओं में निवेश और व्यापार में तेज वृद्धि देखेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि अंतराष्ट्रीय सहयोग को और अधिक मजबूत करने के प्रति मैं और राष्ट्रपति पुतिन पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हम संयुक्त राष्ट्र में मजबूत सहयोगी हैं। ब्रिक्स, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, जी20 और अब शंघाई सहयोग संगठन के सदस्यता ने हमारी साझेदारी को वैश्विक चरित्र दिया है। यह मध्य एशिया और अफगानिस्तान समेत यूरेशिया से एशिया प्रशांत में महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम इस बात पर एक राय रखते हैं कि आतंकी समूहों और इसके निशाने वाले देशों के बीच बिना किसी भेदभाव और अंतर किए बिना एकजुट होकर पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने की जरूरत है। हम इस बात पर राजी हैं कि मध्य एशिया में स्थिरता के लिए बातचीत से राजनीतिक स्तर पर समझौते जरूरी है।

शेष पृष्ठ 9 पर

अफगान संसद में बोले मोदी

अफगानिस्तान का भविष्य संवारने के लिए आतंकवाद व हिंसा कोई औजार नहीं हो सकता

रूस की दो दिन की यात्रा के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर की सुबह पड़ोसी देश अफगानिस्तान के एक दिन के दौरे पर पहुंचे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसी दिन राजधानी काबुल में अफगान संसद के नए भवन का उद्घाटन किया। यह भारत के सहयोग से बनाया गया है। इस अवसर पर अफगान संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि अफगानिस्तान में लोकतंत्र मजबूत हो रहा है और ये संसद अफगान लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान का भविष्य संवारने के लिए आतंकवाद व हिंसा कोई औजार नहीं हो सकता जहां अफगानियों को विकल्प चुनने का हुक्म दिया जाए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि अफगान संसद की ये इमारत भारत और अफगानिस्तान के बीच मजबूत होने संबंधों का प्रतीक है। पाकिस्तान का नाम लिए बिना प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कुछ लोग हमारी यात्रा से असहज महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अफगान लोगों के लिए एकजुट होने का यही समय है और शांति के मार्ग पर ही विकास हो सकेगा। भारत अफगानिस्तान की इस कोशिश में हर समय उसके साथ है।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 11 साल पहले करजई साहब के साथ पार्टनरशिप में इस प्रोजेक्ट का सपना देखा था। इस इमारत के एक भाग का नाम अटल ब्लॉक रखा गया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि अफगानिस्तान का यही समय है और शांति के मार्ग पर ही विकास हो सकेगा। भारत अफगानिस्तान की इस कोशिश में हर समय उसके साथ है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि अफगानिस्तान की सफलता के लिए इसके पड़ोसियों का सहयोग और समर्थन की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब

अफगानिस्तान क्षेत्र में शांति का स्वर्ग और विचारों, वाणिज्य, ऊर्जा व निवेश का केंद्र बन जाएगा, हम सब आपस में समृद्ध हो जाएंगे। श्री मोदी ने कहा कि यही कारण है कि हम ईरान में चाहबहार के माध्यम से भूमि व समुद्र में आपके संपर्क को सुधारने के काम में लगे हैं।

श्री मोदी ने यह भी उम्मीद जताई कि पाकिस्तान, दक्षिण एशिया व अफगानिस्तान तथा अन्य के बीच सेतु का काम करेगा। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि जल्द ही वह दिन आएगा, जब मध्य एशिया की ऊर्जा हमारे क्षेत्र में समृद्धि लाएगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने भाषण में रवींद्रनाथ टैगोर की मशहूर कहानी काबुलीवाला का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे उस दिन का इंतजार है जब काबुलीवाला एक बार फिर आसानी से सीमाएं पार करके भारतीयों का दिल जीतने आ सकेगा। उन्होंने फिल्म जंजीर के पठान कैरेक्टर शेरखान का भी जिक्र किया और कहा, आपकी दोस्ती हमारे लिए सम्मान की बात है। इसे हिंदी सिनेमा के मोस्ट फेमस पठान कैरेक्टर शेरखान के तौर पर भी याद किया जाता है। शेरखान कहता है- यारी है ईमान मेरा, यार मेरी जिंदगी। ■

लाहौर में नवाज शरीफ से मिले प्रधानमंत्री मोदी

भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को नया आयाम देते हुए श्री मोदी अफगानिस्तान के काबुल से सीधे लाहौर पहुंचे। प्रधानमंत्री श्री मोदी की अगवानी के लिए खुद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री श्री नवाज शरीफ लाहौर एयरपोर्ट पर मौजूद थे। श्री शरीफ के पुश्तैनी आवास पर दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। गौरतलब है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री श्री शरीफ भी एयरपोर्ट तक श्री मोदी को विदाई देने आए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लाहौर में 25 दिसबंर को अपने पाकिस्तानी समकक्ष श्री नवाज शरीफ से मुलाकात की। इस पर पाकिस्तान की सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अचानक लाहौर दौरे को सद्भावना का इजहार करार दिया। पाकिस्तान के विदेश सचिव श्री एजाज चौधरी ने संवाददाताओं से कहा कि भारत के प्रधानमंत्री की तरफ से यह सद्भावना का इजहार था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने इसका स्वागत किया है।

गौरतलब है कि काबुल से नई दिल्ली लौटते वक्त प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अचानक लाहौर का दौरा किया, जहां उन्होंने श्री नवाज शरीफ को उनके जन्मदिन की बधाई दी और शरीफ की नातिन की शादी में शरीक हुए। लाहौर से 40 किलोमीटर दूर शरीफ के पुश्तैनी घर में 90 मिनट तक ठहरने के दौरान दुल्हन को आशीर्वाद देने के बाद श्री मोदी बाद में नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को नया आयाम देते हुए श्री मोदी को अफगानिस्तान के काबुल से सीधे लाहौर पहुंचे। प्रधानमंत्री श्री मोदी की अगवानी के लिए खुद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री श्री नवाज शरीफ लाहौर एयरपोर्ट पर मौजूद थे।

श्री शरीफ के पुश्तैनी आवास पर दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। गौरतलब है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री श्री शरीफ भी एयरपोर्ट तक श्री मोदी को विदाई देने आए।■

पृष्ठ 7 का शेष...

प्रधानमंत्री द्वारा मॉस्को के राष्ट्रीय संकट प्रबंधन केंद्र का दौरा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस यात्रा के दौरान मॉस्को में ईएमईआरसीओएम-राष्ट्रीय संकट प्रबंधन केंद्र का दौरा भी किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री को केंद्र के वास्तविक कामकाज और वास्तविक निगरानी कार्यों की जानकारी दी गई। उन्हें इस केंद्र द्वारा किए जाने वाले विभिन्न आपदा राहत एजेंसियों के बीच तालमेल के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें अंतरिक्ष निगरानी और 3डी मॉडलिंग क्षमताओं के बारे में भी जानकारी दी गई। मानव जीवन और संपत्ति को प्राकृतिक आपदाओं, रूस की सीमाओं के भीतर और बाहर दोनों प्रकार से खतरे की निगरानी करने की केंद्र की क्षमताओं और वैश्विक क्षेत्र में सहयोग पर भी प्रकाश डाला गया।

प्रधानमंत्री ने केंद्र द्वारा समन्वित की जाने वाली आपदा से बचाव और राहत संबंधी गतिविधियों और उसकी वैश्विक पहुंच के बारे में काफी दिलचस्पी ली। उन्होंने केंद्र द्वारा किए जाने वाले कार्य को 'मानवता की महान सेवा' करार दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोवाल, विदेश सचिव श्री एस. जयशंकर, रक्षा सचिव जी. मोहन कुमार और प्रधानमंत्री के शिष्टमंडल के अन्य वरिष्ठ सदस्य भी इस अवसर पर मौजूद थे।

गौरतलब है कि एनसीएमसी एक बहुस्तरीय समन्वय केंद्र है, जिसे अंतर-एजेंसी समन्वयन और लोगों को आपात स्थितियां के खतरे के बारे में चौकस करने के लिए डिजाइन किया गया है। एनसीएमसी की क्षमताओं में अत्याधुनिक वास्तविक निगरानी, आंकड़ों का संग्रह, विश्लेषण और मॉडलिंग शामिल है। यह रिमोट सेंसिंग पर आधारित वैश्विक नेवीगेशन उपग्रह प्रणालियों और वैश्विक निगरानी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'स्टैंड अप इंडिया योजना' को मंजूरी दी

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिलाओं के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 6 जनवरी को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिलाओं के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए 'स्टैंड अप इंडिया योजना' को मंजूरी दे दी। इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक उद्यमशील वर्ग के लिए औसतन प्रति बैंक शाखा कम से कम दो ऐसी परियोजनाओं को सुगम बनाना है।

योजना की शुरूआत के बाद 36 महीनों में कम से कम ढाई लाख मंजूरियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

स्टैंड अप इंडिया योजना में निम्नलिखित का प्रावधान है-

- 10,000 करोड़ रुपये की प्रारंभिक राशि के साथ भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के जरिये पुनर्वित खिड़की
- राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) के जरिये एक ऋण गारंटी तंत्र का सृजन
- उधार लेने वालों को ऋण पूर्व चरण एवं संचालनों दोनों प्रक्रियाओं के दौरान सहयोग देना। इसमें लेखा क्रय सेवाओं के साथ उनकी घनिष्ठता बढ़ाना, ऑनलाइन प्लेटफार्म एवं ई- मार्केट स्थानों के साथ पंजीकरण तथा सर्वश्रेष्ठ प्रचलनों एवं समस्या समाधान पर सत्रों का आयोजन शामिल है।

इस योजना के विवरण इस प्रकार हैं -

- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिलाओं दोनों के लिए समर्थन मुहैया कराने पर फोकस है।
- इस मंजूरी का समग्र उद्देश्य आबादी के ऐसे सुविधा विहीन क्षेत्रों तक बैंक ऋण की सुविधाएं प्रदान करने के लिए संस्थागत ऋण संरचना का लाभ उठाना है। ये बैंक ऋण अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति एवं महिला वर्ग के ऐसे कर्जदारों द्वारा गठित गैर कृषि क्षेत्र में ग्रीन फील्ड उद्यमों के लिए 10 लाख से 100 लाख रुपये के बीच एवं 7 वर्ष की अवधि तक पुनर्अदायगी के योग्य होंगे।
- इस योजना के तहत ऋण उपयुक्त रूप से संरक्षित एवं एक ऋण गारंटी योजना के जरिये ऋण गारंटी से समर्थित होंगे, जिसके लिए वित्तीय सेवा विभाग निपटान कर्ता होगा तथा राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) संचालक एजेंसी होगी।
- समग्र ऋण का मार्जिन धन 25 प्रतिशत तक होगा। राज्य योजनाओं के साथ समन्वय से कई कर्जदारों के लिए मार्जिन धन जरूरत में वास्तविक कमी आने की उम्मीद है। एक अवधि के बाद ऐसा प्रस्ताव है कि क्रेडिट ब्यूरो के जरिये कर्जदारों के एक ऋण इतिहास का निर्माण किया जाएगा। ■

प्रधानमंत्री द्वारा हेलीकॉप्टर मैन्यूफैक्चरिंग इकाई का शिलान्यास

4000 परिवारों को मिलेगा रोजगार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 जनवरी को कर्नाटक के टुमकुर जिले में हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की नई हेलीकॉप्टर मैन्यूफैक्चरिंग इकाई के शिलान्यास के

लिए पट्टिका का अनावरण किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि टुमकुर में स्थापित होने वाली विनिर्माण इकाई कोई साधारण इकाई नहीं होगी। यह एक ऐसी इकाई होगी, जो पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचेगी।

इस मौके पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान, जय किसान' नारे की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि पिछले पचास साल के दौरान कृषि के क्षेत्र में काफी तरक्की हुई है और देश अब अनाज के मामले में आत्मनिर्भर है। भारतीय सेना में भी इतनी ही महत्वपूर्ण है और यहां भी हमें आत्मनिर्भर होना होगा। अब समय आ गया है कि हमारी सेना जो हथियार और उपकरण इस्तेमाल करे वे दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हों। इसके लिए आयातित हथियार और

युद्ध से जुड़े साजो-सामान पर भारत की निर्भरता खत्म करनी होगी। आयातित हथियार और उपकरण महंगे भी हैं और अत्याधुनिक तकनीक के भी नहीं हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने रक्षा उपकरणों के विनिर्माण पर जोर देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि टुमकुर में जिन हेलीकॉप्टरों का निर्माण होगा वो दूर-दराज के इलाकों में तैनात सैनिकों की सेवा में इस्तेमाल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस इकाई में बना पहला हेलीकॉप्टर को 2018 तक सेवा में आ जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस फैक्टरी से 4000 परिवारों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके से रोजगार मिलेगा।

उन्होंने भारत में औद्योगीकरण के बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के विचारों को याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने इसे गरीबों और दबे-कुचले के सशक्तिकरण का माध्यम माना था। उन्होंने कहा कि यह विनिर्माण इकाई उनके इस विचार की दिशा में एक कदम साबित होगी। इस मौके पर कर्नाटक के राज्यपाल श्री वजूभाई वाला, कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री सिद्धरमैया, केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर पर्रिकर, श्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, श्री अनंत कुमार और केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जी.एम. सिद्धेश्वर भी मौजूद थे। ■

18,000 गांवों में बिजली पहुंचाने का मिशन

भारत ने 18,000 गांवों में बिजली पहुंचाने का महत्वाकांक्षी मिशन तय किया है। ये गांव आजादी के 7 दशक बाद आज भी अंधेरे में डूबे हुए हैं। प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में घोषणा की थी कि 1000 दिनों के भीतर सभी शेष गांवों में बिजली पहुंचा दी जाएगी। गांवों का विद्युतीकरण तेजी से हो रहा है। और, यह काम बहुत ही पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है। एक मोबाइल ऐप और एक वेब डैशबोर्ड के जरिए विद्युतीकरण किए जा रहे गांवों के आंकड़े जनता के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि हम गांवों में केवल बिजली को पहुंचता देख सकते हैं, लेकिन यह नोट करना भी महत्वपूर्ण है कि इसके साथ गांवों में रह रहे लोगों के सपने, आकांक्षाएं और जीवन में तरक्की करने की बातें भी जुड़ी होती हैं।

यह भुलाना मुश्किल है कि हमारे इतिहास में बिजली जाने की जो सबसे बड़ी घटनाएं हुई हैं उनमें से एक भारत में जुलाई 2012 में घटित हुई। इसने 62 करोड़ लोगों को अंधेरे में डुबो दिया था। इस अंधेरे ने राष्ट्र को घेर लिया, जबकि 24,000 मेगावाट से अधिक की उत्पादन क्षमता बेकार पड़ी है क्योंकि कोयला और गैस जैसे ईंधनों की कमी है। पूरा सेक्टर एक निष्क्रियता के दुष्चक्र और policy paralysis में फंस गया जिसमें एक ओर अतिरिक्त उत्पादन क्षमता और अत्यधिक अप्रयुक्त निवेश थे तो दूसरी ओर उपभोक्ताओं के लिए बड़ी-बड़ी बिजली कटौतियां।

पिछले वर्ष जब NDA सरकार सत्ता में आई, तो 2/3 कोयला आधारित बिजली के प्लांटों में (केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा ट्रैक किए गए अनुसार 100 में से 66 प्लांटों में) कोयले के क्रिटिकल स्टाक थे जिसका अर्थ यह है कि उनके पास 7 दिन से कम का कोयले का स्टाक बचा था। इस कठिन स्थिति से उबर आने के बाद, आज देश में एक भी बिजली के प्लांट को कोयले के क्रिटिकल लेवल का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

सरकार ने सभी को बिजली उपलब्ध कराने की दिशा कठिन परिश्रम करने के साथ-साथ, क्लीन एनर्जी को भी अपनी प्राथमिकता बनाया है। उसने ऊर्जा के नवीकरण योग्य स्रोतों के द्वारा 175 GW एनर्जी का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है, जिसमें 100 GW की सौर ऊर्जा भी शामिल है।

नई सरकार ने इस सेक्टर में संपूर्ण और दीर्घकालिक structural सुधारों पर फोकस किया है, जिसमें सभी के लिए चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराना शामिल है। विद्युत क्षेत्र की अच्छी स्थिति वृद्धि (growth) के आंकड़ों से साबित होती है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के अनुसार, अक्टूबर में विद्युत में 9% की वृद्धि हुई जबकि कोल इंडिया लिमिटेड के उत्पादन में अप्रैल-नवंबर के दौरान 9% की वृद्धि हुई। 2014-15 में कोल इंडिया द्वारा किये गए कोयले का उत्पादन पिछले चार वर्षों में कोयले के उत्पादन में हुई कुल वृद्धि से भी ज्यादा है। फलस्वरूप, पिछले वर्ष की तुलना में नवंबर में आयात में 49 प्रतिशत की गिरावट आई। कोयला आधारित स्टेशनों के उत्पादन में वृद्धि 12.12 प्रतिशत थी, जो अब तक की सबसे अधिक है। माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा 214 कोल ब्लॉकों का आवंटन रद्द करने से उत्पन्न संकट को पारदर्शी e-auctions के जरिए एक अवसर में बदल दिया गया। इन सभी से प्राप्त आय राज्यों को जाती है विशेषकर पूर्वी भारत के कम विकसित राज्यों को।

पिछले वर्ष 22,556 मेगावाट की क्षमता वृद्धि की गई

जो अब तक की सबसे अधिक है। Peak shortage का स्तर जो 2008-09 में 11.9 प्रतिशत था, उसे कम कर 3.2 प्रतिशत कर दिया गया, जो अब तक का सबसे कम है। मौजूदा वर्ष में ऊर्जा कमी 2008-09 के मुकाबले 11.1 प्रतिशत से घटकर 2.3 प्रतिशत रही है। भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है।

ट्रांसमिशन फ्रंट पर अधिक बिजली वाले राज्यों से कम बिजली वाले राज्यों तक बिजली आपूर्ति में बहुत सी अड़चने रही हैं। Southern Grid को One Nation, One grid, One Frequency करने के लिए तेजी से synchronize के प्रयास किए गए थे। 2013-14 के दौरान Available Transfer Capacity (ATC) केवल 3,450 MW थी जो इस महीने 71 प्रतिशत बढकर 5,900 MW हो गई है।

Power value chain के सबसे कमजोर लिंक को ठीक करने की दृष्टि से UDAY (Ujwal DISCOM Assurance Yojana) को क्षेत्र की भूत, वर्तमान और भावी परेशानियों को दूर करने का काम दिया गया है। UDAY का विकास राज्यों (मुख्यमंत्री, मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिव, प्रबंध निदेशक, DISCOM इत्यादि), बैंकर्स और रेगुलेटर्स के उच्चतम स्तरीय परामर्श के bottom up approach से हुई थी। जहां तक DISCOMs के debt trap से निपटने की बात है तो UDAY ने DISCOMs के लिए एक sustainable operational improvement का रास्ता निकाला है। सरकार भी बिजली लागत में कमी लाने के बहुत सारे उपाय कर रही है। आशा की जाती है कि 2018-19 तक सभी DISCOMs लाभ कमाने लगेंगी। UDAY& budgetary hard&stop के अंतर्गत DISCOM issues को परस्पर सहयोग से एक स्थायी समाधान प्रदान करता है, बिजली की लागत कम करने और बिजली दक्षता को बढ़ाने के लिए UDAY सुधार के पूर्व के प्रयासों में बिल्कुल अलग है।

ऊर्जा दक्षता जैसे क्षेत्रों में dynamic विकास देखा गया है, जहां LED bulbs की कीमतों में 75 प्रतिशत तक की कमी हुई है और एक साल से भी कम अवधि में 4 करोड़ bulbs का वितरण किया गया है। सभी bulbs को LED bulbs से बदलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 2018 तक 77 करोड़ bulbs का वितरण किया जाएगा। घरेलू और स्ट्रीटलाइट LED bulbs कार्यक्रम से peak&load demand में 22 GW तक कमी आएगी जिससे बिजली की प्रति वर्ष 11,400 करोड़ यूनिट की बचत होगी और प्रतिवर्ष 8.5 करोड़ टन कार्बन-डाई-आक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी। 22 GW क्षमता प्राप्त कर लेना एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा सकता है किंतु इसका एक अलग पहलू भी है जहां पर्यावरण के संरक्षण के लिए ऐसे निवेशों से बचने को बेहतर मानने के लिए एक अलग नजरिया चाहिए।■

दिल्ली-मेरठ हाईवे का शिलान्यास

दिल्ली से मेरठ की दूरी सिर्फ 45 मिनट में तय होगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली-एनसीआर के लोगों को न्यू ईयर का बेहतरीन तोहफा दिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 31 दिसंबर को नोएडा में

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे (सुपर हाईवे) का शिलान्यास किया। जहां आज दिल्ली से मेरठ जाने में 4 घंटे या फिर उससे ज्यादा समय लगता है वहीं इस एक्सप्रेस वे के बनने के बाद दिल्ली से मेरठ की दूरी सिर्फ 45 मिनट में तय की जा सकेगी।

दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे दिल्ली के निजामुद्दीन पुल से शुरू होगा। और एनएच 24 पर डासना तक जाएगा और डासना से मेरठ के लिए नया रास्ता बनेगा। डासना से एक नए रास्ते का निर्माण होगा जो सीधे मेरठ तक जाएगा। चार चरणों में होगा काम: 14 लेन के इस एक्सप्रेस में 6 लेन का एक एक्सप्रेस वे होगा। दोनों ओर 4-4 लेन का नेशनल हाईवे होगा और साथ ही दोनों तरफ एक-एक साइकिल ट्रैक भी बनाया जाएगा। ये पूरा प्रोजेक्ट ढाई साल में पूरा हो जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे प्रदूषण से मुक्ति प्रदान करेगा। विकास के लिए लोगों की आकांक्षाओं का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अच्छी सड़कें विकास की प्रथम पूर्व-शर्तों में से एक हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि हम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की दी गति को आगे बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक, केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा एवं केंद्रीय राज्य मंत्री श्री पी राधाकृष्णन भी उपस्थित थे। ■

इंदौर (मध्य प्रदेश)

कार्यकर्ता पार्टी को आगे ले जाएं : अमित शाह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 1 जनवरी को इंदौर में कार्यकर्ताओं को नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए साल में आप सभी आगे बढ़ें और पार्टी को भी आगे ले जाएं, समाज-सेवा के साथ साथ मां भारती की सेवा करें और देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने में अपनी सहभागिता दर्ज कराएं।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सर्वश्री कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमारसिंह चौहान, प्रदेश संगठन महामंत्री अरविन्द मेनन, पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे आदि ने एअरपोर्ट पर आगवानी कर श्री अमित शाह को पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने माइक पर मोबाइल से उपस्थित कार्यकर्ताओं को नए कैलेंडर वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ईश्वर आपको स्वस्थ और निरोगी बनाए रखें, आप निरंतर सामाजिक, रचनात्मक और सृजनात्मक कार्य कर स्वयं, पार्टी परिवार और देश को विकास के पथ पर अग्रसर करें।

प्रदेश अध्यक्ष श्री नंदकुमार चौहान ने नए साल की शुभकामनाएं देते हुए कहा की नए वर्ष में नयी सोच के साथ नए आयाम स्थापित करने के लिए कार्यकर्ता समन्वय, परस्पर सहयोग की भावना से ईमानदारीपूर्वक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करे, जिससे अंत्योदय के मूल लक्ष्य की प्राप्ति हो सकें।

प्रदेश संगठन महामंत्री श्री अरविन्द मेनन ने कहा कि आज से नए कैलेण्डर वर्ष की शुरुआत हुई है। संगठन की रीति-नीति और विचारों से युवाओं को जोड़कर संगठन को मजबूत करने का कार्य करें।

मध्य प्रदेश

नंदकुमार सिंह चौहान दूसरी बार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष निर्वाचित

श्री नंदकुमार सिंह चौहान मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के दूसरी बार अध्यक्ष निर्विरोध चुन लिए गए। गत 4 जनवरी को भाजपा कार्यालय परिसर, भोपाल में आयोजित एक भव्य समारोह में श्री चौहान ने दूसरी बार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का दायित्व संभाला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान व केंद्रीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज सहित प्रदेश भाजपा के कई वरिष्ठ नेता समारोह में शामिल हुए। श्री नंदकुमार सिंह चौहान के दायित्व ग्रहण के बाद सभी नेताओं ने एक स्वर में श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में चौथी बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में एकमात्र नामांकन पर्चा भरने वाले प्रत्याशी श्री नंदकुमार चौहान के पदभार ग्रहण की केवल

औपचारिकता बची थी और पार्टी दफ्तर के भीतर और बाहर जश्न का माहौल था।

पर्यवेक्षक श्री रामदास अग्रवाल ने श्री नंदकुमार सिंह चौहान के नाम की औपचारिक घोषणा की।

इस मौके पर श्री नंदकुमार सिंह चौहान ने कहा कि मेरी जिम्मेदारी बढ़ी है। मैं कार्यकर्ताओं का आभार मानता हूं, जिन्होंने मुझे इतना सहयोग किया। पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं की धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर इतना विश्वास जताया है। मैं सभी को साथ लेकर संगठन के लिए काम करता रहूंगा।

समारोह का आरंभ भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री प्रभात झा के उद्‌बोधन से हुआ। केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

कार्यक्रम में श्री शिवराज सिंह चौहान व श्रीमती सुषमा स्वराज, सर्वश्री नरेंद्र सिंह तोमर सहित पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण जटिया, चुनाव पर्यवेक्षक रामदास अग्रवाल, पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा, कैलाश जोशी सहित विजेंद्र सिंह सिसौदिया, अरविंद भदौरिया आदि पदभारग्रहण समारोह में उपस्थित थे।

डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि नंदकुमार सिंह चौहान जमीन से जुड़े कार्यकर्ता हैं। एक चुनौतीपूर्ण कार्यकाल के बाद उन्होंने फिर बागडोर संभाली है। उन्होंने अपने नेतृत्व को साबित किया जिससे चुनाव में फिर भाजपा को जनादेश मिला। डॉ. सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि शिवराज और नंदकुमार चौहान की जोड़ी सबसे बेहतर है।■

छत्तीसगढ़

धरम लाल कौशिक दूसरी बार बने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

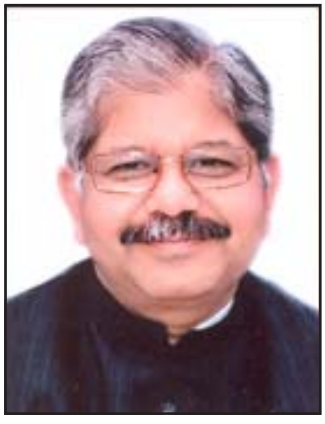

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ भाजपा नेता श्री धरमलाल कौशिक दूसरी बार निर्विरोध छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष निर्वाचित हुए। गत 3 जनवरी को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर, रायपुर में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं केंद्रीय पर्यवेक्षक श्री भूपेंद्र यादव और प्रदेश प्रभारी डॉ. अनिल जैन की उपस्थिति में श्री धरमलाल कौशिक को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना गया।

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह सहित 11 सदस्यों ने प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए श्री कौशिक के नाम का प्रस्ताव रखा। निर्धारित समय में किसी अन्य व्यक्ति का नामांकन नहीं आने के बाद श्री कौशिक को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। कौशिक के नाम की घोषणा होने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर जश्न मनाया।

अध्यक्ष पद की घोषणा के बाद श्री कौशिक ने कहा कि मिशन 2018 उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती है। इसे पूरा करने के लिए वे हर दिन कार्यकर्ताओं के साथ जनता के बीच जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने श्री कौशिक को बधाई देते हुए कहा कि वर्ष 2018 में एक बार फिर भाजपा की प्रदेश में सरकार बनाने का संकल्प लिया गया है। इसके लिए श्री कौशिक को पूरी ताकत लगानी है। श्री सिंह ने कहा कि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष के सामने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना सबसे बड़ी चुनौती है।

चुनाव पर्यवेक्षक और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं से सक्रिय संवाद बनाने से ही सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के लिए हमेशा चुनौती रहती है, लेकिन अच्छा नेतृत्व वही है, जो चुनौतियों को निपटाने का रास्ता निकाले। प्रदेश प्रभारी डॉ. अनिल जैन ने कहा कि सरकार की योजनाओं को साथ लेकर कार्यकर्ता काम करें तो जरूर सफलता मिलेगी।

राष्ट्रीय परिषद के लिए प्रदेश के सभी 10 लोकसभा सांसद और राज्यसभा सदस्य भूषण लाल जांगड़े को नामांकित किया गया है। राष्ट्रीय परिषद में प्रदेश से 11 सदस्यों का चयन हुआ है। इसमें सांसद रमेश बैस, विष्णुदेव साय, चंदूलाल साहू, चंद्रभान सिंह, लखनलाल साहू, बंशीलाल महतो, अभिषेक सिंह, विक्रम उसेंडी, दिनेश कश्यप और कमलादेवी पाटले का चयन हुआ है। ■

हिमाचल प्रदेश

सतपाल सत्ती तीसरी बार बने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

भाजपा नेता श्री सतपाल सिंह सत्ती तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी, हिमाचल प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। गत 6 जनवरी को विपक्ष के नेता श्री प्रेम कुमार धूमल ने अध्यक्ष के लिए श्री सत्ती का नाम प्रस्तावित किया, जिसका

पार्टी के 17 विधायकों ने समर्थन किया।

इसके अलावा सर्वश्री प्रवीण चौधरी, अजय राणा, वीरेंद्र कंवर और राजीव सहगल को राष्ट्रीय परिषद का सदस्य बनाया गया।

इस मौके पर पार्टी के चुनाव पर्यवेक्षक श्री गणेशी लाल व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा समेत पार्टी पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। श्री सतपाल सिंह सत्ती की बतौर अध्यक्ष यह तीसरी पारी होगी। वह वर्ष 2011 में पहली बार अध्यक्ष बने थे।

श्री सतपाल सत्ती उना सदर से लगातार तीसरी बार विधायक बने हैं। उन्होंने अपना सियासी सफर छात्र राजनीति के साथ शुरू किया था।

श्री सत्ती ने विद्यार्थी परिषद और भारतीय जनता युवा मोर्चा में अनेक दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया।

छात्र राजनीति में आने के बाद उन्होंने बड़ी संख्या में युवाओं को भाजपा से जोड़ा। वर्ष 2000 में वह भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष बने थे। वर्ष 2003 में पहली बार सत्ती उना से विधायक निर्वाचित हुए। ■

उत्तराखंड

अजय भट्ट बने प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अजय भट्ट सर्वसम्मति से उत्तराखंड प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष चुन लिये गए। गत 31 दिसंबर को भाजपा के चुनाव पर्यवेक्षक श्री राकेश सिंह ने श्री अजय भट्ट के नाम की घोषणा की।

इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री श्याम जाजू भी उपस्थित थे।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए भाजपा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री अजय भट्ट ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मुझे एक बच्चे की तरह कंधे पर बिठाकर आगे बढ़ाया है और मैं उनकी उम्मीदों को कभी नहीं तोड़ूंगा।

श्री अजय भट्ट ने कहा कि अगर उनसे कोई गलती होती है और वो किसी गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं, तो उनका कान पकड़कर सही राह दिखाने का बड़ों का अधिकार है।

श्री अजय भट्ट ने कहा कि उनके सामने मौजूदा वक्त में केवल एक ही चुनौती है और वो है पार्टी के मिशन 2017 को हासिल करना।

उन्होंने कहा कि पार्टी में किसी भी प्रकार को कोई धड़ेबाजी नहीं है और सभी एकजुटता के साथ मिशन 2017 के लिए जुटेंगे।

श्री भट्ट ने कहा कि वे प्रदेश सरकार की विफलताओं को सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ सड़क पर उतरकर मोर्चा खोलेंगे। ■

वैचारिकी

भाजपा के भविष्य से देश का भविष्य जुड़ गया है

– अटल बिहारी वाजपेयी

29-30 नवंबर, 1 दिसंबर 1996 को भोपाल में आयोजित मध्य प्रदेश भाजपा अभ्यास वर्ग में दिए गए उद्‌बोधन के संपादित अंश हम यहां सुधी पाठकों के लिए प्रकाशित कर रहे हैं। प्रस्तुत है प्रथम भाग –

मेरे कार्यकर्ता मित्रों,

मेरे संबोधन पर आश्चर्य न करें, मैं जानता हूं कि इस बैठक में पार्टी के प्रमुख नेता उपस्थित हैं, सांसद भी विराजमान हैं, सभी विधायक भाई तथा बहनें भी कार्यक्रम में भाग ले रही हैं, मैंने जान-बूझकर कार्यकर्ता के नाते सबको संबोधित किया है।

हम यह दावा करते हैं कि हमारी पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है। जो नेता हैं, वह भी कार्यकर्ता हैं। विशेष जिम्मेदारी दिए जाने के कारण वह नेता के रूप में जाने जाते हैं, लेकिन उनका आधार है उनका कार्यकर्ता होना। जो आज एमएलए हैं, वह कल शायद विधायक नहीं होगा। सांसद भी सदैव नहीं रहेंगे। कुछ लोगों को पार्टी बदल देती है, कुछ को लोग बदल देते हैं, लेकिन कार्यकर्ता का पद ऐसा है जो बदला नहीं जा सकता। कारण यह है कि यह अधिकार अर्जित किया हुआ अधिकार है। निष्ठा और परिश्रम से हम उसे प्राप्त करते हैं, वह ऊपर से दिया गया सम्मान नहीं है कि उसे वापिस लिया जा सके। पार्टी के संगठन को सुचारू रूप से चलाने के लिए कार्य का विभाजन होता है, तदनुरूप पदों का सृजन होता है। अलग-अलग दायित्व होते हैं। पदों के अनुसार कार्यकर्ता पहचाने जाते हैं, लेकिन यह पहचान सीमित समय तक ही रहती है। संगठन का कोई पदाधिकारी 4 साल से अधिक

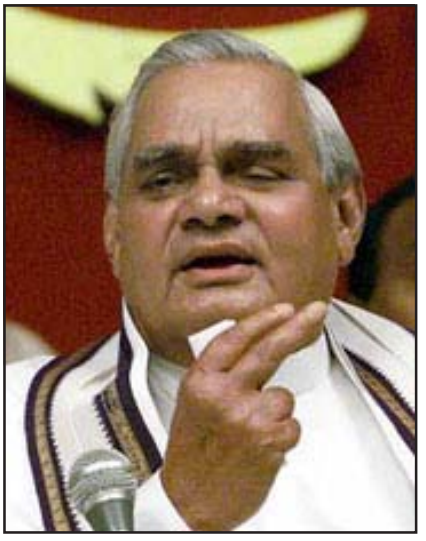

अपने पद पर नहीं रहता। ऐसा किसी विशेष नियम के अंतर्गत नहीं होता, यह एक परम्परा है, हम जिसका दृढ़ता से पालन करते हैं। देश में अनेक राजनीतिक दल हैं, उनमें न नियमित रूप से सदस्यता होती है और न चुनाव। जो एक बार पदाधिकारी बन गया, वह हटने का नाम नहीं लेता। अनेक दलों के अध्यक्ष स्थायी अध्यक्ष बन जाते हैं। उन्हें हटाने के लिए अभियान चलाना पड़ता है, लेकिन उनके कान पर जूं नहीं रेंगती, वे टस से मस नहीं होते। हमारे यहां ऐसा नहीं है।

हमारी पार्टी में लोकतांत्रिक व्यवस्था

हमारा लोकतंत्र में विश्वास है। जीवन के सभी क्षेत्रों में हम लोकतांत्रिक पद्धति का अवलंबन करने के समर्थक हैं। अपने राजनीतिक दल को भी हम लोकतंत्रात्मक तरीके से चलाते हैं। निश्चित समय पर सदस्यता होती है। पुराने सदस्यों की सदस्यता का नवीकरण होता है, नए सदस्य बनाए जाते हैं। संगठन के विस्तार के लिए नए लोगों का आना जरूरी है। समाज के सभी वर्गों से और देश के सभी क्षेत्रों से पार्टी में अधिकाधिक लोग शामिल हों, यह हमारा प्रयास होता है। किसी व्यक्ति या इकाई द्वारा अधिक से अधिक सदस्य बनाए जाते हैं, इस प्रतियोगिता में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन प्रतियोगिता पार्टी के अनुशासन और मर्यादा के अंतर्गत होनी चाहिए। पार्टी के विस्तार के लिए नए सदस्य बनाना एक बात है और पार्टी पर कब्जा करने के लिए सदस्यता बढ़ाना दूसरी बात है।

जब पार्टी का विस्तार करने के बजाए पार्टी पर अधिकार जमाने की विकृत मानसिकता पैदा होती है। तब फिर जाली सदस्य भी बनाए जाते हैं। सदस्यता का शुल्क भी गलत तरीके से जमा किया जाता है। इससे पार्टी का स्वास्थ्य बिगड़ता है। और दलों में प्रचलित इस बुराई को हमें अपने यहां बढ़ने से रोकना होगा। वर्षों से पार्टी में काम करनेवाले लोग ऐसी बुराइयों के प्रति उदासीन नहीं हो सकते। पार्टी का जन-समर्थन बढ़ाना होगा, किंतु उसे पद-लोलुपता से बचाना होगा। गुटबंदी का पार्टी में कोई स्थान नहीं हो सकता।

हमारी विचारधारा : राष्ट्रवाद, सामाजिक न्याय

जहां तक विचारधारा का सवाल है, पहले हमारी परिकल्पना राष्ट्रवाद है और फिर हमारी परिकल्पना सामाजिक न्याय के पक्ष में हैं। हम सब के बीच बराबरी चाहते हैं किन्तु तुष्टीकरण को पसन्द नहीं करते। जिन्होंने हमें सेक्यूलर विरोधी घोषित करने का प्रयास किया, उन्हें सफलता नहीं मिली। जातिवाद का जहर फैलाने वाले भी, जो अपने विचारों को सामाजिक न्याय की आड़ में छिपाना चाहते हैं, उनके लिये भी हमारे सामने टिकना मुश्किल था। हमारे लिये सामाजिक न्याय केवल सत्ता के पदों का बंटवारा नहीं है, किन्तु सामाजिक समता और सामाजिक समरसता के धरातल पर खड़ी हुई एक ऐसी व्यवस्था का नाम है जिनमें पिछड़ों के साथ न्याय भी होगा और वे एक परिवार के सम्मानित सदस्य के रूप मे भी सम्मान और स्थान पायेंगे।

हम सामाजिक विषमता की समस्या को उसकी समग्रता में देखते हैं और उसे सभी क्षेत्रों से मिटाना चाहते है यह हमारे लिये कुछ सीटों और कुछ पदों का झगड़ा मात्र नहीं है हमने नौकरियों में रिजर्वेशन का समर्थन किया है शिक्षा संस्थाओं में भी हम विशेष अवसर के हामी हैं, लेकिन हम इस बात को नहीं भुला सकते कि नौकरियां सब को नहीं मिल सकती, न शिक्षा पाने के बाद समूचे अवसर की गारन्टी ही प्राप्त कर सकते हैं जहां तक चुनाव का सवाल है, जिन दलों ने जातिवाद को जगाया था और उसके आधार पर वोट बैंक बनाया था, वे भी यह अनुभव करने लगे हैं कि चुनाव जीतने के लिये भी समाज के सभी वर्गो का सहयोग प्राप्त करना आवश्यक होगा। पिछले चुनाव में जिन्होंने तिलक, तराजू और तलवार जैसे उत्तेजक नारे लगाये थे, इस चुनाव में उन्हें इस तरह के नारे तिजोरी में बन्द करने पड़े और सभी तरह के उम्मीदवारों को मैदान में लाना पड़ा। एक तरह से यह उनकी वैचारिक पराजय थी। जिस पृथकता के आधार पर वह खड़े थे, वह पूरी तरह ढह गया। उन्हें इस बात का अहसास हो गया कि सारे समाज को साथ लिये बिना चुनाव मे विजय नहीं मिलेगी और न सत्ता प्राप्त होगी। जाति, उपजाति के वोट बैंक बनाकर थोड़े समय के लिये सफलता प्राप्त की जा सकती है, किन्तु वह सफलता स्थाई नहीं होगी। यहां तक कि उससे सत्ता प्रप्ति का लक्ष्य भी पूरा नहीं होगा। सपा को इस कटु अनुभवों में से जाना पडा। सपा ने बंटवारे को एकजुट करने का प्रयास किया, किन्तु यादव समाज के लोग हमारे साथ भी आये, आज भी आ रहे हैं। हमारे उम्मीदवार के रूप में जीते भी हैं। श्रीराम जन्म भूमि के आन्दोलन में सबसे पहले बलिदान देने वालों मे एक यादव बन्धु भी था, वह शहीद के रूप मे याद किया जाता है।

जहां तक विचारधारा का सवाल है, पहले हमारी परिकल्पना राष्ट्रवाद है और फिर हमारी परिकल्पना सामाजिक न्याय के पक्ष में हैं।

संपूर्ण समाज को साथ लेंगे

भारतीय जनता पार्टी सम्पूर्ण समाज को साथ लेकर चलने के उद्देश्य से काम करती है समाज के सभी वर्गो को, जातियों उपजातियों को, हम अपने साथ लाना चाहते हैं यह केवल चुनाव की दृष्टि से नहीं, सामाजिक समता की दृष्टि से भी जरूरी है। देश में लोकतंत्र है, बालिग मताधिकार है, सब के समान अधिकार और कर्तव्य है। जन्म और जाति के आधार पर ऊंच नीच की भावना लोकतंत्र विरोधी है और सामाजिक एकता को तोड़ने वाली है आज जब कि सभी वर्गो का हमें व्यापक समर्थन मिल रहा है, हमने चुनाव में उम्मीदवार खड़े करने में सावधानी से काम किया। जिन जातियों और वर्गो को अन्य दल अपनी जाति का वोट समझते थे, हमने उन्हीं वर्गो के योग्य व्यक्तियों को उम्मीदवार बनाकर समाज को बांटने की उनकी राजनीति पर पानी फेर दिया। जिन वर्गो पर वह अपना एकाधिकार समझते थे, उन वर्गो में से अच्छे लोगों को पार्टी के साथ जोड़कर जब हमने उम्मीदवार बनाकर मतदान में उतारा तो उन्हें मुंह की खानी पड़ी। हम जानते हैं कि केवल उम्मीदवार खड़ा करना ही पर्याप्त नहीं है, उन समुदायों का विश्वास प्राप्त करना भी जरूरी है इसके लिये उनकी समस्याओं से जूझना आवश्यक है, उनके सुख दुख में भागीदारी भी जरूरी है। जब उन लोगो को लगा कि उनकी पीड़ा को हम अपनी पीड़ा समझते हैं और उसके निराकरण के लिये तैयार हैं तो आज नहीं तो कल उनका सहयोग मिलना अवश्यम्भावी है। हम इसे केवल सत्ता का संघर्ष नहीं, नये समाज की रचना का आधार बनाना चाहते हैं। कुछ राजनैतिक दल इस सारे संघर्ष को अपने स्वार्थ के लिये प्रयुक्त कर उसे मात्र सत्ता की भागीदारी और हिस्सेदारी तक ही सीमित रखना चाहते हैं, किन्तु जब तक व्यवस्था में परिवर्तन नहीं होता, जब तक शोषण रहित प्रणाली की स्थापना नहीं होती, तब तक उंगलियों पर गिनने लायक लोगों की भागीदारी से काम नहीं चलेगा।

क्रमशः...

जयंती (23 जनवरी) पर विशेष

हमारे प्रेरणास्रोत

नेताजी सुभाष चंद्र बोस

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रणी नेता थे। उनके द्वारा दिया गया नारा 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा' आज भी लोगों को उद्वेलित करता है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पश्चिमी शक्तियों के विरुद्ध आजाद हिंद फौज का नेतृत्व करने वाले बोस एक महान क्रांतिकारी थे, जिनको सम्मान से नेताजी भी कहते हैं। सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, सन 1897 ई. में उड़ीसा के कटक नामक स्थान पर हुआ था। बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माँ का नाम प्रभावती था। सुभाष चंद्र बोस की शिक्षा कलकत्ता के प्रेजिडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज में हुई और उसके बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा की तैयारी के लिए वे इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए। सन 1920 ई. में बोस ने इंडियन सिविल सर्विस की परीक्षा उत्तीर्ण की, लेकिन अप्रैल सन 1921 ई. में भारत में बढ़ती राजनीतिक सरगर्मी की खबर सुनकर बोस ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली और शीघ्र भारत लौट आए।

नेता जी एक बहुत मेधावी छात्र थे। वे चाहते तो उच्च अधिकारी के पद पर आसीन हो सकते थे। परन्तु उनकी देश भक्ति की भावना ने उन्हें कुछ अलग करने के लिए प्रेरित किया। भारत आने के बाद सुभाष चंद्र बोस गाँधी जी से मिले। वे चितरंजन दास जी के पास भी गए। उन्होंने सुभाष को देश को समझने और जानने को कहा। सुभाष देश भर में घूमें और निष्कर्ष निकाला कि हमारी सामाजिक स्थिति बदतर है, जाति-पाँति तो है ही, गरीब और अमीर की खाई भी समाज को बाँटे हुए है। निरक्षरता देश के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है। इसके लिए संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है।

सुभाष चन्द्र बोस ने सशक्त क्रान्ति द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर, 1943 को आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की तथा आजाद हिन्द फौज का गठन किया। उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा, 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' दिया।

कांग्रेस के एक अधिवेशन में सुभाष चंद्र बोस ने कहा कि मैं अंग्रेजों को देश से निकालना चाहता हूँ। मैं अहिंसा में विश्वास रखता हूँ किन्तु इस रास्ते पर चलकर स्वतंत्रता काफी देर से मिलने की आशा है। बोस ने क्रान्तिकारियों को सशक्त बनने को कहा। वे चाहते थे कि अंग्रेज भयभीत होकर भाग खड़े हों। वे देश सेवा के काम पर लग गए।

सुभाषचंद्र बोस एक महान नेता थे। नेता अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करते, पर उनमें विरोधियों को साथ लेकर चलने का महान गुण होता है।

1938 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय योजना आयोग का गठन किया। 1939 में बोस पुन: एक गाँधीवादी प्रतिद्वंदी को हराकर विजयी हुए। सक्रिय राजनीति में आने से पहले नेताजी ने पूरी दुनिया का भ्रमण किया। नेताजी हिटलर से मिले। उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत और देश की आजादी के लिए कई काम किए। जर्मनी से वह जापान, जापान से वह सिंगापुर पहुंचे। जहां उन्होंने कैप्टन मोहन सिंह द्वारा स्थापित आजाद हिंद फौज की कमान अपने हाथों में ले ली। उस वक्त रास बिहारी बोस आजाद हिंद फौज के नेता थे। उन्होंने आजाद हिंद फौज का पुनर्गठन किया। महिलाओं के लिए रानी झांसी रेजिमेंट का भी गठन किया जिसकी लक्ष्मी सहगल कैप्टन बनी।

सुभाष चन्द्र बोस ने सशस्त्र क्रान्ति द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर, 1943 को आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की तथा आजाद हिन्द फौज का गठन किया। नेताजी अपनी आजाद हिंद फौज के साथ 4 जुलाई 1944 को बर्मा पहुँचे। यहीं पर उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा, 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' दिया। ■

शीतकालीन सत्र : कुछ प्रश्न – कुछ विचार

✍ अरुण जेटली

पिछले दिनों संसद का शीत-कालीन सत्र पूरा हो गया। इस सत्र ने मेरे अंदर कुछ सहज प्रश्न खड़े किए हैं। मैं चाहूँगा कि हम सब इन पर विचार करें।

हमारा संसदीय लोकतंत्र

संसदीय लोकतंत्र भारत की सबसे बड़ी ताकत रहा है। अलग-अलग राजनैतिक मत, क्षेत्र, राज्य, समुदाय, वर्ग आदि मिलकर संसद में निर्णय-प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हैं। संसद में विरोध हमारे देश के लिए नई बात नहीं है। बेहद गंभीर परिस्थितियों में हंगामे भी होते रहे हैं। लेकिन पिछले दो सत्रों में कांग्रेस की स्पष्ट धारणा रही है कि संसद में कामकाज नहीं करने दिया जाएगा। कांग्रेस नेतृत्व के इस रवैये पर अधिकतर कांग्रेसी नेताओं ने निजी बातचीत में बेबसी जाहिर की है। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व से यह बुनियादी सवाल पूछा जाना चाहिए कि आखिरकार देश कानून कैसे बनाए? संसद की स्थायी समितियों के माध्यम से काम करने की व्यवस्था 1993 से बहुत अच्छा काम कर रही थी। लेकिन राज्यसभा ने अब प्रवर समितियाँ (सेलेक्ट कमिटी) नियुक्त करके स्थायी समितियों को कमजोर किया है। ये प्रवर समितियाँ स्थायी समितियों की राय पर लगातार सवाल उठाती हैं। अगर यही चलता रहा तो स्थायी समितियों की सफल प्रणाली कमजोर होती जाएंगी। इसलिए सरकार ने दिवालियापन कानून पर विचार के लिए विकल्प के रूप में अब संयुक्त समिति का तरीका अपनाया है। और भी

संसदीय लोकतंत्र भारत की सबसे बड़ी ताकत रहा है। अलग-अलग राजनैतिक मत, क्षेत्र, राज्य, समुदाय, वर्ग आदि मिलकर संसद में निर्णय-प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हैं।

तरीके सुझाए गए हैं जैसे स्थायी समिति के बगैर कानून पारित कर देना या इस तरह कानून तैयार करना कि वे धन विधेयक की परिभाषा में आ जाएँ। लेकिन ये दोनों तरीके पसंदीदा विकल्प नहीं हैं। कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व इस पर बेहद गंभीरता से विचार करे कि संसद में विवेकशून्य व्यवहार से और तिल का ताड़ बनाते हुए हंगामा करने से संसदीय प्रणाली की जड़ों पर कुठाराघात हो रहा है। हमारे लोकतंत्र के शुरुआती वर्षों में स्वस्थ प्रणालियों की स्थापना का श्रेय यदि पंडित नेहरु को जाता है तो वर्तमान कांग्रेस नेतृत्व को इतिहास उन्हीं प्रणालियों को कमजोर करने के लिए याद करेगा। पिछले साल के बजट सत्र से अब तक जीएसटी बिल के पारित नहीं होने से क्या देश को नुकसान नहीं हुआ? महत्वपूर्ण कानूनों को बगैर चर्चा के, सत्र के आखिरी दिन पारित करना कहाँ की समझदारी है? कहने के लिए हमने एक बिल पारित कर दिया, लेकिन उसमें संसद के विचारों का समावेश कहाँ हुआ?

अभद्रता:

क्या अभद्रता भारतीय राजनीति का नया मानदंड है? उम्मीद करता हूँ कि ऐसा नहीं है।

कुछ महीने पहले भारतीय जनता पार्टी के कुछ सदस्यों ने ऐसे बयान दिए थे जिन्हें स्वयं पार्टी ने भी पसंद नहीं किया। पार्टी अध्यक्ष ने उन्हें चेताया और ऐसे बयान देने से बचने की सलाह दी। इस चेतावनी के परिणाम सबके सामने हैं।

लेकिन दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री ने विधानसभा के भीतर और बाहर प्रधानमंत्री व अन्य के बारे में जो बयान दिए उनका क्या? अगर भारत सरकार का कोई प्रतिनिधि ऐसी भाषा का इस्तेमाल करता तो पूरे देश में प्रतिरोध के स्वर सुनाई देते। जिम्मेदारी के पदों पर आसीन लोगों को संयम से काम लेना चाहिए। वे बचकाने तरीके नहीं अपना सकते। अभद्रता उनका हथियार नहीं हो सकता। राजनैतिक विमर्श में अभद्रता के लिए कोई स्थान नहीं है। अभद्र तरीके से झूठ बोलने से वह सच साबित नहीं हो जाएगा। अभद्रता कभी राजनीति का आदर्श नहीं हो सकती। दिल्ली सरकार के नुमाइंदों और उनके समर्थकों ने राजनैतिक चर्चा का स्तर गिराया है। उन्होंने कोई जानकारी सामने नहीं रखी, केवल बाजारू झूठ का प्रचार किया है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सफलता ने शायद कांग्रेस में यह गलतफहमी पैदा कर दी है कि अभद्रता करके चुनाव जीते जा सकते हैं। भारत की जनता बेहद समझदार है। अब समय आ गया है कि देश की जनता राजनैतिक विमर्श में आई इस गिरावट का मुखर होकर विरोध करे। ■

(लेखक केन्द्रीय वित्त, सूचना व प्रसारण और कारपोरेट मामलों के मंत्री हैं।)

दलित इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की)

दलित उद्यमियों का राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 दिसंबर को दलित इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) द्वारा नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित दलित उद्यमियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने अपने एक 'मन की बात' कार्यक्रम को याद किया, जहां उन्होंने लोगों से आह्वान किया था कि वे न केवल अपने अधिकारों के बारे में बात करें बल्कि अपने कर्त्तव्यों पर भी चर्चा करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां मौजूद दलित उद्यमियों ने न सिर्फ अपने कर्त्तव्यों की बात की बल्कि उनका सफलतापूर्वक निर्वहन भी किया।

डा. बाबासाहेब अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, डा. अंबेडकर को व्यापक रूप से हमारे संविधान निर्माता के तौर पर याद किया जाता है, जबकि वह एक महान अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने डा. अंबेडकर के भारत के औद्योगिकीकरण की परिकल्पना का जिक्र करते हुए कहा कि दलित, जो खुद भूमिहीन हैं, केवल औद्योगीकरण के माध्यम से प्रगति कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वित्तीय समावेशन केंद्र सरकार के फोकस का मूल है, जो नौकरी चाहने वाले नहीं, नौकरी देने वाले तैयार करेगा। इस संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत दिए जा रहे ऋण का उल्लेख किया। उन्होंने पहली पीढ़ी के उद्यमियों के लिए उद्यम पूंजी निधि यानी वेंचर कैपिटल फंड का भी जिक्र किया।

प्रधानमंत्री ने दलित उद्यमियों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके लाभ के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस सभा में मौजूद सदस्यों की सफलता विपरीत परिस्थितियों का सामना करने वाले किसी दूसरे व्यक्ति को प्रेरित कर सकती है।

प्रधानमंत्री ने दलित उद्यमियों को पांच व्यावसायिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री थावरचंद गहलोत भी उपस्थित थे। ■

बेंगलुरू में फ्रंटियर्स इन योगा रिसर्च एंड इट्स एप्लीकेशन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

योग स्वास्थ्य व बेहतरी की सार्वभौमिक आकांक्षा का प्रतीक : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 जनवरी बेंगलुरू के जिगानी में फ्रंटियर्स इन योगा रिसर्च एंड इट्स एप्लीकेशन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने समेकित औषधि के एक अस्पताल के शिलान्यास पट्टिका का भी अनावरण किया। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि

विवेकानंद की दृष्टि भारतीय और पश्चिमी विचारों के गहरे अध्ययन का संश्लेषण है। इसमें हमारे प्राचीन दर्शन और ज्ञान की प्रेरणा समाहित है। उन्होंने न सिर्फ भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण में अद्वितीय योगदान दिया बल्कि हमारे सदियों पुराने ज्ञान को दुनिया के सामने प्रस्तुत भी किया। उन्हें लोगों की बहुलता के सौंदर्य की गहरी समझ थी और उन्होंने दुनिया की एकता के बारे में अपने विचारों को पूरी शिद्दत के साथ सामने रखा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि योग के विज्ञान के लिए 2015 एक खास वर्ष था। बीते साल 21 जून को 192 देशों के दस लाख लोग पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए दुनिया भर में खास जगहों पर इकट्ठा हुए। इस आयोजन को जिस तरह पूरी दुनिया में विशाल समर्थन मिला उससे यह साबित हो गया कि पूरे विश्व में योग किस तरह लोकप्रिय हो रहा है। यह स्वास्थ्य और बेहतरी की सार्वभौमिक आकांक्षा का प्रतीक है। साथ ही यह मानव और प्रकृति माता के बीच संतुलन और लोगों और देशों के बीच शांति और एकता कायम करने की लोगों की साझा वैश्विक आकांक्षा को भी प्रदर्शित करता है। और सबसे बढ़ कर यह विभिन्न संस्कृतियों के लोगों की अपनी जिंदगी की परिचित सीमा से बाहर आने और व्यापक हित में एकत्रित होने की क्षमता को भी दिखाता है।

श्री मोदी ने कहा कि जब दुनिया के टिकाऊ भविष्य, स्वस्थ आदतों और लोगों के बीच खुशी लाने का बात होती है तो व्यक्ति, देश और वैश्विक समुदाय के तौर पर अपनाई जाने वाली जीवन शैली के विकल्पों में परिवर्तन की बात महत्वपूर्ण हो जाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि योग की पहचान पूरी दुनिया में छाने लगी है। सभी संस्कृतियों और भूभागों के लोग अपने जीवन को दोबारा परिभाषित करने में इसे अपना रहे हैं, इसकी मदद ले रहे हैं। अपनी अंतरात्मा और बाहरी दुनिया से एकता कायम करने के लिए इसकी मदद ली जा रही है। लोगों के अस्तित्व और उनके माहौल के बीच कड़ी जोड़ने में इसका सहारा लिया जा रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि बीमारियों के वैश्विक बोझ की डब्ल्यूएचओ फैक्ट शीट बताती है कि दुनिया भर में गैर-संक्रामक बीमारियों की वजह से मौतों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वर्ष, 2008 में इन बीमारियों की वजह से 80 प्रतिशत मौतें विकासशील देशों में हुईं। 1990 में इन देशों में इन बीमारियों से 40 प्रतिशत मौतें हुई थीं। वर्ष, 2030 में कम आय वर्ग के देशों में उच्च आय वर्ग के देशों की तुलना में गैर संक्रामक बीमारियों से मरने वालों की तादाद आठ गुना बढ़ जाएगी।

उन्होंने कहा कि भारत में हृदय धमनियों, कैंसर, सांस की पुरानी बीमारियों, मधुमेह की वजह से 60 प्रतिशत मौतें होती हैं। अस्पताल में भर्ती रहने वाले लोगों में 40 प्रतिशत इन्हीं बीमारियों के मरीज होते हैं। अस्पतालों में लगभग 35 प्रतिशत वाह्य मरीज भी इन्हीं बीमारियों के होते हैं। इन बीमारियों की वजह से उत्पादक जिंदगियां असमय खत्म हो जाती हैं और परिवारों को बड़ी त्रासदी झेलनी पड़ती है। इससे हमारी अर्थव्यवस्था को बेहद घाटा होता है और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी बोझ पड़ता है।

श्री मोदी ने कहा कि कुछ अध्ययनों का आकलन है कि गैर संक्रामक

बीमारियों और खराब मानसिक स्वास्थ्य की वजह से 2030 तक भारत को 4.58 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान उठाना पड़ेगा। इसलिए जैसे-जैसे हम शारीरिक और भौतिक जीवन में आगे तरक्की करते जाएंगे हमें अपने अस्तित्व की मनोवैज्ञानिक स्थिति से जुड़े सवालों को भी सुलझाना होगा। यही वह स्थिति है, जहां योग सर्वोपरि हो जाता है। दुनिया भर में योग की वजह से जिंदगी को बदल कर रख देने वाले और जीवन में फिर से उत्साह जगाने वाले मर्मस्पर्शी उदाहरण हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री अरविंदो ने घोषणा की थी कि भारतीय योग मानवता के भविष्य के जीवंत तत्वों में से एक साबित होगा। यह बात सच साबित हो रही है। योग को मूल रूप से किसी औषधि पद्धति के तौर पर स्वीकार नहीं किया गया था। लेकिन योग एक समग्र जीवनशैली है। शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भावनात्मक, नैतिक और आध्यात्मिक एकात्मकता की वजह से स्वास्थ्य को यह काफी लाभ पहुंचाता है।

श्री मोदी ने कहा दुनिया आज स्वास्थ्य को जिस हिसाब से परिभाषित कर रही है उसके यह बिल्कुल मुफीद बैठता है। हम आज बीमारियों की रोकथाम और उनका प्रबंध कर ही संतुष्ट नहीं हैं। लोग आज बेहतर स्वास्थ्य की मांग कर रहे हैं। एक ऐसे स्वास्थ्य की जिसमें मन, शरीर और आत्मा के बीच एक स्वस्थ संतुलन हो।

हम समग्र चिकित्सा की आवाजों को बढ़ते हुए सुन रहे है। इसका मतलब लोगों की फौरी बीमारियों के इलाज बजाय उनके शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और आध्यात्मिक पहलू को देखा जाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें यह भी याद रखना होगा कि हिप्पोक्रेट्स से पर्सिवल से लेकर एडिसन तक- पश्चिम की विचार पद्धति भी जिस तरह स्वास्थ्य के बारे में अपने विचार रखती है वह भारतीय पद्धति के दर्शन से अलग नहीं है।

इसलिए अपने संचित ज्ञान और सदियों के अपने अनुभव को हमें आधुनिक विज्ञान की तकनीकों और विधियों पर लागू करना होगा ताकि बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके और हम लोगों को इसका लाभ बता सकें।

उन्होंने कहा कि यही वजह है कि हम औषधि की आयुष प्रणाली पर इतना जोर दे रहे हैं और इसके बारे में जागरुकता फैलाने, इसे स्वीकार करने और इसे लागू करने का प्रयास कर रहे हैं।

ऐसा करते हुए हम लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करेंगे। साथ ही स्थानीय संसाधनों पर ज्यादा भरोसा करेंगे और स्वास्थ्य की देखभाल में आने वाली लागत को कम कर सकेंगे।

इससे समाज की सामाजिक और आर्थिक लागत कम हो सकेगी और पर्यावरण के अनुकूल हेल्थकेयर व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

श्री मोदी ने कहा मैं चिकित्सा की एक पद्धति को दूसरे से श्रेष्ठ बताने के लिए यहां मौजूद नहीं हूं। मेरा मानना है कि मानवता विविधता में ही समृद्ध होती है। सभ्यताएं, संस्कृतियां और देश एक दूसरे के ज्ञान और बुद्धिमता को अपना कर ही समृद्ध होते हैं। हम एक दूसरे से सीख कर ही तरक्की कर सकते हैं। इसी भावना को स्वामी विवेकानंद ने पूर्व और पश्चिम के सर्वश्रेष्ठ का सम्मिलन कहा था।

इसलिए हेल्थकेयर व्यवस्था में इस भावना को लागू करना चाहिए। मैं हेल्थकेयर प्रणाली को एक समेकित व्यवस्था के तौर पर देखता हूं, जो विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के सर्वश्रेष्ठ और सबसे प्रभावी पद्धतियों की समझ पर आधारित हो।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए मैं जाने-माने शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को साथ लाकर योग, आयुर्वेद, नैचुरोपैथी, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और आधुनिक चिकित्सा पद्धति को एक मंच पर लाने के आपके प्रयास का प्रशंसक हूं। प्रमुख गैर संक्रामक बीमारियों- मधुमेह, कैंसर, मानसिक बीमारियों, हाइपरटेंशन और हृदय धमनियों से संबंधित रोगों पर आपका फोकस काबिलेतारीफ है।

चिकित्सा की आधुनिक पद्धतियों ने स्क्रीनिंग, जांच, खोज और बीमारियों का पता लगाने की नई तकनीकों से एक बड़ा बदलाव हासिल कर लिया है। प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल ने स्वास्थ्य सुविधाओं की राह में आने वाली अड़चनों को खत्म कर दिया है। बीमारियों के पैटर्न के बारे में हमारी समझ बढ़ी है। दवाओं के क्षेत्र में नई खोजों और नए टीकों ने कई बीमारियों से लड़ने में मदद की है।

श्री मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे हमने इसकी सीमाओं और साइड इफेक्टस को समझना शुरू किया है और जैसे-जैसे आधुनिक दवाओं की लागत बढ़ रही है, वैसे-वैसे हमने पारंपरिक चिकित्सा पद्धति की ओर ध्यान देना शुरू किया है। यह सिर्फ भारत में ही नहीं पूरी दुनिया में हो रहा है। पूरी दुनिया में लोग पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बड़े उत्साह से अपना रहे हैं। ■

विकास के प्रति नवीन दृष्टिकोण : सांसद आदर्श ग्राम योजना

'यह मॉडल आपूर्ति उन्मुख की बजाय मांग-उन्मुख होना चाहिए'

हमारे लिए एक बड़ी समस्या रही है कि हमारा विकास आपूर्ति-उन्मुख रहा है। लखनऊ, गांधी नगर अथवा दिल्ली में एक स्कीम तैयार की गई है। इसे ही आरंभ करने का प्रयास किया जा रहा है। हम आदर्श ग्राम के द्वारा इस मॉडल को आपूर्ति-उन्मुख की बजाए मांग-उन्मुख करना चाहते हैं। स्वयं ग्राम में ही इसकी इच्छा विकसित की जानी चाहिए।

हमें केवल अपने विचार में परिवर्तन करना है। हमें लोगों के दिलों को जोड़ना है। सामान्यत:, सांसद राजनीतिक गतिविधियों में लिप्त रहते हैं। लेकिन इसके बाद वे ग्राम में आएंगे। वहां कोई राजनीतिक गतिविधि नहीं होगी। यह परिवार की तरह होगा। ग्राम के लोगों के साथ बैठ कर निर्णय लिया जाएगा। इससे नई उर्जा का संचार होगा और ग्राम को एकजुट करेगा।

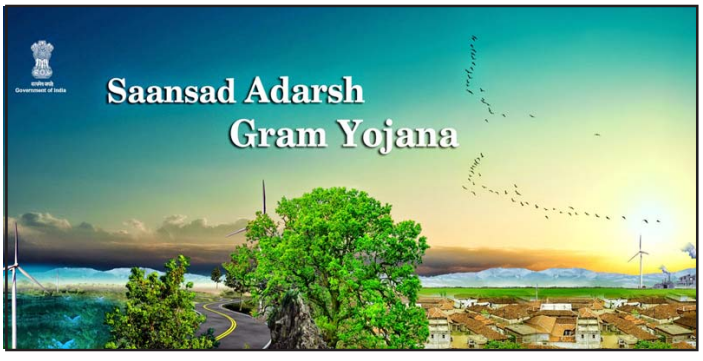

सांसद आदर्श ग्राम योजना (SAGY) का शुभारंभ 11 अक्तूबर 2014 को किया गया था। इसका उद्देश्य एक आदर्श भारतीय गांव के बारे में महात्मा गांधी की व्यापक कल्पना को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ध्यान में रखते हुए एक यथार्थ रूप देना था। SAGY के अंतर्गत, प्रत्येक सांसद एक ग्राम पंचायत को गोद लेता है और सामाजिक विकास को महत्व देते हुए इसकी समग्र प्रगति की राह दिखाता है जो इंफ्रास्ट्रक्चर के बराबर हो। 'आदर्श ग्राम' को स्थानीय विकास एवं सुशासन का संस्थान होना चाहिए जो अन्य ग्राम पंचायतों को प्रेरित करे।

ग्रामीणों को शामिल करके और वैज्ञानिक उपायों का लाभ लेते हुए, सांसद के नेतृत्व में एक ग्राम विकास योजना तैयार की जाती है। उसके उपरांत, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाती हैं और विभागों द्वारा राज्य सरकार को भेजी जाती हैं। State Level Empowered Committee (SLEC) समीक्षा करती है, बदलाव का सुझाव देती है और संसाधनों का priority allocation करती है। अब तक, SAGY ग्राम पंचायत प्रोजेक्ट्स को वरीयता देने के लिए 21 स्कीमों को भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों ने संशोधित किया है।

जिला स्तर पर, सांसद की अध्यक्षता में प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिए मासिक समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं। प्रतिभागी विभागों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रत्येक प्रोजेक्ट की समीक्षा की जाती है और प्रगति राज्य सरकार को सूचित की जाती है। यह उम्मीद की जाती है कि प्रत्येक सांसद वर्ष 2016 तक एक मॉडल ग्राम पंचायत के विकास का अग्रणी होगा, इसके बाद वर्ष 2019 तक दो का और वर्ष 2024 तक और पांच का। समूचे देश में अब तक 696 ग्राम पंचायतों को सांसदों द्वारा गोद लिया गया है।

प्रत्येक District Collector ने पर्याप्त वरिष्ठता वाले एक Charge Officer को नामित किया है जो स्थानीय स्तर पर कार्यान्वयन का समन्वय करेगा और जो कार्यान्वयन के लिए पूर्ण रूप से उत्तरदायी और जिम्मेदार होगा। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने पूरे देश में 9 क्षेत्रीय स्थानों पर 653 Charge Officers के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दिनांक 23-24 सितम्बर 2015 को भोपाल में एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें सांसदों, राज्य सरकारों, District Collector, सभी राज्यों के ग्राम प्रधानों को आमंत्रित किया गया था। ग्रामीण विकास मंत्रालय की राष्ट्र स्तर की समिति द्वारा चुनी गई Good Practices को विस्तृत प्रदर्शनी के द्वारा प्रस्तुत किया गया ताकि इसी प्रकार की Good

Practices को SAGY ग्राम पंचायतों में अपनाई जा सके। SAGY ग्राम पंचायतों की प्रगति को मानीटर करने के लिए मंत्रालय ने 'पंचायत दर्पण' के रूप में 35 सूचक भी विकसित किया है।

सफलता के कुछ किस्से

ग्राम-लादेरवां, ब्लाक-त्रेहगाम, जिला-कुपवाड़ा, जम्मू और कश्मीर में लोगों का प्रमुख कार्य कृषि है। वैज्ञानिक कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए, 379 किसानों के मोबाइल नम्बर को कृषि विज्ञान केन्द्र (KVK) से जोड़ा गया। KVK एस0एम0एस0 मैसेज के जरिए मौसम पूर्वानुमान की सूचना पहुंचाता है और पैदावार के नाजुक चरणों पर विशिष्ट फसलों के लिए recommended package of practices की भी सूचना देता है। श्री मुजफर हुसैन बेग, सांसद के मार्गदर्शन में इसका बीड़ा उठाया गया है। परिणामस्वरूप, किसानों को अपने मोबाइल पर नियमित agro&advisories प्राप्त होती है। इनमें वैज्ञानिक ढंग से फसल बोने की विधि, मृदा जांच, फसल सुरक्षा, agronomic practices, post&harvest technologies और बाजार सूचना से संबंधित critical messages शामिल हैं। यह लोगों को फसल उत्पादन और अपने कृषि उत्पादों के विपणन के संबंध में informed decision लेने में समर्थ बनाता है।

शिवगंगा जिला, तमिलनाडु में स्थित मारवामंगलम को आदर्श ग्राम के रूप में डॉ0 ई0एम0 सुदर्शन नचीअप्पन, सांसद (राज्य सभा) द्वारा चयन किया गया। सांसद ने सुधार और ग्रामीण आजीविका को प्रोत्साहित करने के लिए संभावित क्षेत्रों की पहचान की। समुदायों के लिए कॉअर, चमड़ा और नारियल प्रशिक्षण

श्री विद्युत बरन महतो, सांसद ने गोद लिए बांगुरदा ग्राम पंचायत ने महसूस किया कि पूर्वी सिंहभूम, झारखंड के दूरस्थ और दुर्गम्य स्थानों में बालिकाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता के संबंध में नगण्य प्रयास किया गया है। एनीमिया एवं अन्य बीमारियां विशेष रूप से महिलाओं और युवा लड़कियों में बहुत थी। इसके समाधान के लिए, किशोरवय लड़कियों को विशेष रूप से लक्ष्य कर के उन्होंने कई स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया। स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन करस्तूरबा गांधी बालिक विद्यालय में किया गया और यहां 188 किशोरवय लड़कियों की जांच की गई। परिणामतः, स्त्रीयोचित बीमारियां, मूत्र नली संक्रमण एवं चर्म रोग से पीड़ित कई लड़कियां पाई गई जिन्हें वे अब तक सामाजिक-सांस्कृतिक वर्जनाओं के कारण दबाती आई थीं।

तैयार किया गया और प्रोत्साहित किया गया था। जिला प्रशासन और अलगप्पा यूनिवर्सिटी के सहयोग से सांसद ने अनेकों जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। Coir Board of India, Coconut Development Board of India और Central Leather Research Institute के सहयोग से उन्होंने socialist training partners को भी शामिल किया।

दो महीने के Coir training programme के लिए उन्होंने प्रशिक्षण संस्थानों से संपर्क किया। इसका उद्देश्य सफल उद्यमी बनने के लिए लोगों को शिक्षित करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कोइर प्रशिक्षण के लिए 120 महिलाओं, 112 व्यक्तियों को चमड़ा प्रशिक्षण ओर 27 पुरूषों को नारियल प्रशिक्षण के लिए शामिल किया गया। प्रशिक्षण पूरा होने के उपरांत, सफल प्रशिक्षुओं को वित्तीय सहायता देने के लिए जिला प्रशासन एवं ट्रेनिंग पार्टनर्स द्वारा पूरा प्रयास किया जाएगा जिससे कि वे स्वयं का सामाजिक उद्यम आरंभ कर सकें और अपना जीवन-निर्वाह कर सकें।

श्री विद्युत बरन महतो, सांसद ने गोद लिए बांगुरदा ग्राम पंचायत, ने महसूस किया कि पूर्वी सिंहभूम, झारखंड के दूरस्थ और दुर्गम्य स्थानों में बालिकाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता के संबंध में नगण्य प्रयास किया गया है। एनीमिया एवं अन्य बीमारियां विशेष रूप से महिलाओं और युवा लड़कियों में बहुत थी। इसके समाधान के लिए, किशोरवय लड़कियों को विशेष रूप से लक्ष्य कर के उन्होंने कई स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया। स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में किया गया और यहां 188 किशोरवय लड़कियों की जांच की गई। परिणामतः, स्त्रीयोचित बीमारियां, मूत्र नली संक्रमण एवं चर्म रोग से पीड़ित कई लड़कियां पाई गई जिन्हें वे अब तक सामाजिक-सांस्कृतिक वर्जनाओं के कारण दबाती आई थीं।

यह भी पाया गया कि इनमें से कई बीमारियां अस्वास्थ्यकर जीवन-शैली और गंदे परिवेश के कारण हुई थी। किशोरवय लड़कियों और महिलाओं में व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। यह दीर्घकालिक उपाय होगा जिसे ग्राम में नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। ■

मन की बात

युवाओं के लिए नया अवसर, 'स्टार्ट-अप इंडिया', 'स्टैंड-अप इंडिया'

विकलांगों को कहें दिव्यांग

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 27 दिसंबर को 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान कहा कि स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया ने हमारे देश के युवाओं को नया अवसर दिया है। चाहे विनिर्माण हो, सेवा क्षेत्र हो या कृषि, इस पहल से नया विचार, नया रास्ता और नया नवाचार मिलेगा। उन्होंने कहा कि 16 जनवरी को इस पहल का खाका पेश किया जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में स्टार्ट अप इंडिया तथा स्टैंड अप इंडिया की अति महत्वपूर्ण योजना पर बात करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में आईआईटी, आईआईएम, सेंट्रल यूनिवर्सिटी व एनआईटी को लाइव कनेक्टिविटी द्वारा जोड़ा जाएगा। इन दोनों ही योजनाओं को 16 जनवरी को लॉन्च किया जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए विकलांग के स्थान पर दिव्यांग शब्द का प्रयोग करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम अक्सर शारीरिक रूप से अक्षम लोगों को विकलांग, अक्षम और अन्य नामों से बुलाते हैं, लेकिन उनसे मिलने पर कई बार हमें पता चलता है कि उनमें अद्‌भुत क्षमता है।

उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना दुनिया की अपने तरह की सबसे बड़ी योजना के तौर पर गिनीज विश्व रिकार्ड में दर्ज हो चुकी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे यह बताते हुए काफी खुशी हो रही है कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना हाल ही में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में दर्ज हो चुकी है और इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के तहत अभी तक 40 हजार करोड़ रुपये लाभार्थियों के खातों में जमा किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि करीब 35-40 योजनाओं को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना से जोड़ दिया गया है। देश में मौलिक कर्तव्य पर चर्चा के अभाव का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस विषय पर गणतंत्र दिवस तक लोगों की राय आमंत्रित की।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत सरकार द्वारा चलाई गई पहल योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना ने गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया है। इस योजना के तहत 40,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे लाभार्थियों के खाते में जमा की गई। इससे देश के 15 करोड़ लोगों को सीधे लाभ पहुंचा। लाभार्थियों तथा सरकारी पैसे के बीच से सभी बिचौलियों, दलालों को हटा दिया गया। इससे भ्रष्टाचार भी कम हुआ और लोगों तक मदद भी पहुंच सकी।

उन्होंने कहा कि मौलिक अधिकारों पर बहुत चर्चा होती है और होनी भी चाहिए। लेकिन मौलिक कर्तव्यों पर बहुत कम चर्चा होती है। हमारा संविधान कर्तव्यों को भी महत्व देता है। प्रधानमंत्री ने देशभर के विभिन्न स्कूलों-कॉलेजों से आग्रह किया कि भारतीय संविधान के निर्माता डॉ बीआर अंबेडकर की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में 26 जनवरी से पूर्व 'कर्त्तव्य' विषय पर निबंध लेखन और कविता लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह भी कहा कि गणतंत्र दिवस से पहले लोगों को अलग-अलग शहरों, कस्बों और गांवों में स्थापित विभिन्न शख्सियतों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई का काम करना चाहिए। राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए भी मोदी ने युवाओं के विचार आमंत्रित किए हैं। श्री मोदी ने कहा कि 12 जनवरी को हम स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाएंगे।

उन्होंने युवाओं को अपने विचार 'नरेंद्र मोदी मोबाइल एप' पर भेजने का

आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश भर में सभी पर्यटक स्थलों पर साफ-सफाई पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने पुणे के गणेश वी. एस. द्वारा लिखे एक पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि हमें पर्यटक स्थलों पर साफ-सफाई सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गणेश ने पर्यटक स्थलों पर साफ-सफाई की जरूरत के अहम मसले को उठाया।

'मन की बात' कार्यक्रम की मुख्य बातें

- 'डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर स्कीम' (पहल) को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिल गया है, अब ये सफलतापूर्वक लागू कर दी गई है।
- नवंबर तक 15 करोड़ एल.पी.जी. उपभोक्ता पहल योजना के लाभार्थी बन चुके हैं, ना कोई बिचौलिया, ना सिफारिश, ना भ्रष्टाचार।
- एक तरफ आधार कार्ड का अभियान, दूसरी तरफ जन-धन एकाउंट खोलना, तीसरी तरफ लाभार्थियों की सूची तैयार करना, सिलसिला चल रहा है।
- मनरेगा के पैसे में बहुत शिकायत आती थी, कई स्थानों पर अब वो पैसा सीधा मजदूरी करने वाले के खाते में जमा होने लगा है।
- अब तक अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से 40,000 करोड़ रूपये सीधे ही लाभार्थी के खाते में जाने लगे हैं।
- करीब-करीब 35 से 40 योजनायें अब सीधी-सीधी 'डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर' के अंदर समाहित की जा रही हैं।
- कई लोग होते हैं जो हादसे के शिकार होने के कारण अपना कोई अंग गंवा देते हैं, कुछ को जन्मजात ही कोई क्षति रह जाती है। कभी हैंडीकैप शब्द सुनते थे, तो कभी डिसेबल शब्द सुनते थे, तो कभी स्पेशियली एबल्ड पर्सन-अनेक शब्द आते रहते हैं। क्यों न हम 'दिव्यांग' शब्द का प्रयोग करें।
- 16 जनवरी को भारत सरकार 'स्टार्टअप इंडिया', 'स्टैंड अप इंडिया' का एक्शन प्लान लॉन्च करने वाली है-इस कार्यक्रम में आई.आई.टी, आई.आई.एम, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, एन.आई.टी को लाइव कनेक्टिविटी के द्वारा जोड़ा जाएगा।
- स्टार्टअप के संबंध में हमारे यहां एक सोच बंधी-बंधाई बन गई है कि डिजिटल वर्ल्ड, आई.टी. प्रोफेशन के लिए ही स्टार्टअप है- जी नहीं, हमें तो उसको भारत की आवश्यकताओं के अनुसार बदलाव लाना है।
- हिन्दुस्तान के नौजवानों के पास प्रतिभा है। स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया हिन्दुस्तान के हर कोने में फैलना चाहिए।
- संसद में दो दिन संविधान पर विशेष चर्चा रखी गई थी और बहुत अच्छा अनुभव रहा। इस बात को हमें आगे बढ़ाना चाहिए।
- हमारा संविधान हमें बहुत अधिकार देता है लेकिन कर्तव्य पर भी बल देता है।
- सामान्य परिवार के लोग जो कभी बैंक के दरवाजे तक नहीं पहुंच पाते थे, 'मुद्रा योजना' के तहत आसान ऋण पा रहे हैं।
- विश्व योग के प्रति आकर्षित हुआ, दुनिया ने जब 'अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस' मनाया तब हमें विश्वास पैदा हुआ कि वाह, ये है हिन्दुस्तान। स्वच्छता की बात एक प्रकार से घर-घर में गूंज रही है। नागरिकों का सहभाग भी बढ़ता चला जा रहा है।
- भारत सरकार, राज्य सरकारों ने जब से गांवों में बिजली पहुंचाने का संकल्प लिया है। गांव में बिजली पहुंचने की खबर आती रहती है। अभी तक व्यापक रूप से मीडिया में इसकी चर्चा नहीं पहुंची है लेकिन मुझे विश्वास है कि मीडिया ऐसे गांवों में जरूर पहुंचेगा।
- मध्य प्रदेश के भोजपुरा गांव में एक कारीगर दिलीप सिंह मालविया ने एक अनूठा काम किया है। उन्होंने तय किया कि अगर कोई मैटेरियल प्रोवाइड करता है तो शौचालय बनाने की मजदूरी वो नहीं लेंगे। वे 100 शौचालयों का निर्माण कर चुके हैं।
- पुणे से गणेश सावलेशवारकर ने लिखा है कि ये सीजन टूरिस्ट का सीजन होता है। बड़ी मात्रा में देश-विदेश के टूरिस्ट आते हैं। उन्होंने कहा है कि टूरिस्ट डेस्टिनेशन, टूरिस्ट प्लेस, यात्रा धाम, प्रवास धाम, पर स्वच्छता के संबंध में विशेष आग्रह रखना चाहिए। ■

पेंशन और भुगतान के मुद्दों पर ऑनलाइन जानकारी

भाजपानीत राजग सरकार के पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने वर्ष 2015 के दौरान कई उल्लेखनीय कार्य किए, जिसमें भविष्य, अभिनव जैसी योजनाएं तथा पेंशनभोगियों के लिए पोर्टल का सफल संचालन आदि प्रमुख हैं।

भविष्य

पेंशन और भुगतान के मुद्दों पर ऑनलाइन जानकारी खंगालने के लिए भविष्य एक ऑनलाइन ट्रैकिंग प्रणाली है। प्रत्येक पेंशन मामलों की प्रगति की जानकारी हासिल करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही तय हो सकेगी। इससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लाभ होगा और प्रशासनिक कार्य समान रूप से निपट सकेंगे।

इस प्रणाली से सेवानिवृत्त कर्मचारी ऑनलाइन आवेदन दाखिल कर सकेंगे। पेंशन मामलों को सही तरीके से संचालन के लिए इससे जुड़े सभी फार्म ऑनलाइन जनरेट होंगे। साथ सभी विभाग इस पर निगरानी भी रख पाएंगे।

भविष्य को मुख्य सचिवालय के 83 मंत्रालयों/विभागों और उससे जुड़े 22 कार्यालयों में 30 दिसंबर 2015 तक लागू कर दिया गया। इसमें 792 आहरण एवं संवितरण अधिकारी भी शामिल हैं। इसके तहत 4759 केस की प्रक्रिया चल रही है। देश भर में फैले सभी 9000 डीडीओ को कवर करने के लिए इसका विस्तार किया जा रहा है।

भविष्य के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने इस मुद्दे पर 26 नवंबर 2015 को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में एक कार्यशाला का आयोजन किया। दिल्ली में संलग्न एवं अधीनस्थ कार्यालयों सहित उन सभी मंत्रालयों/विभागों के कार्यालय/ड्राइंग के प्रमुखों और संवितरण अधिकारियों के लिए कार्यालय का प्रारूप तैयार किया गया था। कार्यशाला में 1200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

पेंशन और भुगतान के मुद्दों पर ऑनलाइन जानकारी खंगालने के लिए भविष्य एक ऑनलाइन ट्रैकिंग प्रणाली है। प्रत्येक पेंशन मामलों की प्रगति की जानकारी हासिल करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही तय हो सकेगी। इससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लाभ होगा और प्रशासनिक कार्य समान रूप से निपट सकेंगे।

पेंशनभोगियों के लिए पोर्टल

इस पोर्टल पर पेंशन से संबंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध हैं। पोर्टल केन्द्रीकृत पेंशन शिकायत पंजीकरण और निगरानी प्रणाली के माध्यम से पेंशनरों की शिकायतों के पंजीकरण की सुविधा मुहैया कराता है। 2015 के दौरान (15 दिसंबर 2015 तक) 16683 शिकायतें मिलीं, जबकि 14354 का निपटारा किया गया। अभी 2329 बची हुई हैं।

स्वैच्छिक एजेंसियों की स्थायी समिति (एससीओवीए)

स्वैच्छिक एजेंसियों की एक स्थायी समिति राज्यमंत्री की अध्यक्षता (पीपी) काम कर रही है जो विभाग की नीतियों, कार्यक्रमों को लेकर फीडबैक देती है। इस समिति की बैठक अक्टूबर 2015 में हुई थी जिसमें विभिन्न पेंशन संगठनों मंत्रालयों एवं विभागों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था।

अभिनव

अभिनव सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के लिए वह मंच है जहां वे अपने अनुभव साझा करते हैं। यह मंच सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी को संतुष्ट करने में सफल रहेगा और सेवारत कर्मचारियों को प्रेरित करेगा। समय के साथ सुझावों के लेकर इसे और मजबूत बनाया जाएगा। यह सेवानिवृत्ति के बाद राष्ट्र निर्माण के लिए स्वैच्छिक योगदान को लेकर कर्मचारियों को एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगा।

सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों स्वैच्छिक तौर पर पेंशन आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। फॉर्म पांच में सलंग्न किए जाने वाली सूची के लिए सीसीएस (पेंशन) नियम 1972 में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। इस संबंध में पेंशन विभाग ने एक वेबसाइट भी तैयार की गई है। (persmin.nic.in/pension.asp) पर क्लिक कर पेंशन संबंधी जानकारी हासिल की जा सकती है। ■

विज्ञान व प्रौद्योगिकी को सरल योजनाओं से जोड़ने की जरूरत : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विज्ञान और स्वदेशी विकास आकांक्षाओं की खाई को पाटने की आवश्यकता पर बल दिया है। प्रधानमंत्री 3 जनवरी को मैसूर विश्वविद्यालय में 103वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के उद्घाटन अवसर पर नोबेल पुरस्कार विजेताओं, वैज्ञानिकों तथा प्रतिनिधियों

को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दृष्टिकोण में नवाचार केवल सरकार का दायित्व नहीं है बल्कि इसकी जिम्मेदारी निजी क्षेत्र तथा अकादमी पर भी है।

उन्होंने कहा कि भारत में नवजागरण की इच्छा केवल स्वतंत्रता नहीं बल्कि मानवीय विकास भी है। उन्होंने विश्व की सबसे बड़ी चुनौती की ओर प्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया। यह चुनौती पिछले वर्ष विश्व पटल पर रही और यह हमारे विश्व के समृद्ध भविष्य की राह परिभाषित करने वाली है। उन्होंने कहा कि हम निरंतर यह संदेश देते रहे हैं कि लक्ष्यों के बारे में बोलना पर्याप्त नहीं है बल्कि समस्या का ऐसा समाधान आवश्यक है, जिससे हम स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ सकें। प्रधानमंत्री ने इसके लिए उपलब्धता, पहुंच तथा सभी के लिए टिकाऊ होने की बात पर बल दिया।

प्रधानमंत्री ने ऊर्जा उत्पादन, वितरण तथा उपभोग की पद्धति को बदलने पर अगले दस वर्षों के लिए 30-40 विश्वविद्यालयों तथा प्रयोगशालाओं का नेटवर्क बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वह इसे जी-20 में आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2022 तक 175 जीडब्ल्यू नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य प्राप्त करना काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने जीवाष्म ईंधन को अपनाने पर बल दिया। श्री मोदी ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी को सरल योजनाओं और रणनीतियों से जोड़ा जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने वर्तमान शताब्दी को शहरी शताब्दी की संज्ञा देते हुए कहा कि अध्ययन यह बताते हैं कि वैश्विक शहरी आबादी में 40 प्रतिशत लोग औपचारिक बस्तियों और झुग्गी बस्तियों में रहते हैं और उन्हें स्वास्थ्य तथा पौष्टिकता की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए मैंने स्मार्ट सिटी पर बल दिया है। उन्होंने वैज्ञानिकों से इंजीनियरिंग, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, ऊर्जा, सहानुभूति तथा समानता पर ध्यान केन्द्रित करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 1916 में अलबर्ट आइंसटाइन ने सापेक्षता के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था। उन्होंने कहा कि हमें आइंसटाइन के विचारों को परिभाषित करने वाली मानवीयता को याद करना चाहिए। उन्होंने जन साधारण, नागरिकों, व्यापारियों से भविष्य की पीढ़ी के लिए धरती को बेहतर बनाने का आह्वान किया।

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन ने कहा कि भारत ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सराहनीय प्रगति की है और इस प्रगति का लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने टीका विकास के क्षेत्र में हुई प्रगति की चर्चा करते हुए कहा कि देश में रोटा वायरस टीका विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि मधुमेह की सस्ती दवा-बीजीआर-34 सीएसआईआर प्रयोगशाला से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से लॉन्च की जाएगी। ■

पठानकोट वायुसेना एयरबेस पर हमला

सुरक्षा बलों ने किए छह आतंकवादी ढेर

गत 2 जनवरी को तड़के आतंकवादियों ने पाकिस्तान की सीमा से सटे पठानकोट एयर बेस में मिग-29 लड़ाकू विमान व हेलीकाप्टर को निशाना बनाने की कोशिश की। छह आतंकियों को भारतीय सुरक्षा बलों ने मार गिराया। इस दौरान पांच सुरक्षाकर्मी भी शहीद हो गए। हमले की जांच की जिम्मेदारी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपी गई है।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया कि सभी पांच आतंकवादियों को ढेर करने के लिए मैं सुरक्षा बलों को बधाई देता हूं। मैं सफल अभियान के लिए उन्हें नमन करता हूं। देश को अपने जांबाज जवानों पर गर्व है। हमने कुछ जवानों को भी इस अभियान में खोया है। मैं शहीद हुए जवानों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। हम उनका बलिदान कभी नहीं भूल सकते। उल्लेखनीय है कि श्री सिंह ने इस हमला से पहले कहा था कि भारत पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहता है, लेकिन कोई भी आतंकवादी हमला होता है तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। केंद्रीय रक्षामंत्री श्री मनोहर पर्रिकर ने त्वरित कार्रवाई के लिए सुरक्षाकर्मियों को बधाई दी। ■

प्रधानमंत्री ने पठानकोट में आतंकवादी हमले की भर्त्सना की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पठानकोट में आतंकवादी हमले की कड़ी भर्त्सना की है और कहा है कि मानवता के दुश्मन जो राष्ट्र की प्रगति को नहीं देख सकते, उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया है। आतंकवादियों के मंसूबों को सफलतापूर्वक नाकाम करने के लिए उन्होंने सशस्त्र बलों का अभिनन्दन किया और कार्रवाई के दौरान प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री ने मैसूर के महाराजा कॉलेज ग्राउंड में श्री सुत्तूर मठ के परम पूज्य जगतगुरू डॉ. श्री शिवराथरी राजेन्द्र महास्वामीजी के शताब्दी समारोह के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए ये उद्‌गार व्यक्त किए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने भाषण में कहा, "आज जब मैं इस पवित्र कार्यक्रम में आया हूं, मैं देश के जवानों का गर्व करना चाहता हूं, देश के सुरक्षा बलों का गर्व करना चाहता हूं, उनका अभिनंदन करना चाहता हूं। जब युद्ध होते हैं तो दुश्मन देश, अपने सामने वाले देश की सैन्य शक्ति पर घात करने के प्रयास करता है। आज मानवता के दुश्मनों ने जो भारतीय प्रगति को देखने की उनको परेशानी हो रही है। मैं देश के सुरक्षा बलों को बधाई देता हूं कि दुश्मनों के उन इरादों को उन्होंने खाक में मिला दिया। उनको सफल नहीं होने दिया और जिन जवानों ने शहादत दी है, उनकी शहादत को मैं नमन करता हूं। ■

नहीं रहे जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री तथा पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट के प्रमुख मुफ्ती मोहम्मद सईद का 7 जनवरी को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। श्री सईद को सीने में संक्रमण के बाद 24 दिसंबर को एम्स में भर्ती कराया गया था। श्री सईद के परिवार में एक बेटा और तीन बेटियां हैं।

12 जनवरी, 1936 को दक्षिणी कश्मीर में अनंतनाग जिला के बिजबेहरा में जन्मे श्री सईद केंद्र में गृहमंत्री भी रहे। उनके निधन पर सरकार ने 7 जनवरी को राष्ट्रीय शोक घोषित किया। जम्मू-कश्मीर में सात दिन के शोक की घोषणा की गई। राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी, उपराष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी ने श्री सईद के निधन पर गहरा शोक जताया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुफ्ती मोहम्मद सईद का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव अनंतनाग के बिजबेहड़ा में किया गया। गृहमंत्री जी राजनाथ सिंह और श्री जितेंद्र सिंह उन्हें सुपुर्द -ए-खाक किए जाने के मौके पर उपस्थित थे।

श्री सईद एक बार पहले भी राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके थे। वह दो नवंबर, 2002 से 2005 तक राज्य के मुख्यमंत्री पद पर आसीन रहे। राज्य में सत्तारूढ़ पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की गठबंधन वाली सरकार के नेतृत्व में उन्होंने दोबारा पहली मार्च, 2015 को मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभाला था। वह 1987 तक कांग्रेस के सदस्य रहे। 1987 में कांग्रेस छोड़ने के बाद विश्वनाथ प्रताप सिंह की पार्टी जनमोर्चा में शामिल हो गए थे। श्री सिंह की सरकार में दिसंबर 1989 से नवंबर 1990 तक गृहमंत्री भी रहे थे। बाद में नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान वह दोबारा कांग्रेस में शामिल हो गए। वर्ष 1999 में उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी और अपनी बेटी महबूबा मुफ्ती के साथ मिलकर अलग पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी बनाई, जिसके वह संस्थापक भी थे।

प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'मुफ्ती साहब के निधन से देश और जम्मू-कश्मीर में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है, जहां उनके अनुकरणीय नेतृत्व का लोगों के जीवन पर बहुत बड़ा असर था। आपकी आत्मा को शांति मिले। मुफ्ती साहब की राजनीतिज्ञता अलग दिखाई पड़ती है। लंबे राजनीतिक सफर के दौरान उन्हें राजनीति के क्षेत्र कई प्रशंसक मिले। अपने नेतृत्व के जरिये उन्होंने जम्मू-कश्मीर को हीलिंग टच (दर्द हरने वाला स्पर्श) प्रदान किया। हम सभी को उनकी कमी खलेगी।'

भाजपा अध्यक्ष का शोक संदेश

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री श्री मुफ्ती मुहम्मद सईद के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि मुफ्ती मुहम्मद सईद भारत के एक महान सपूत, सच्चे राष्ट्रभक्त और कुशल राजनेता थे। उनके निधन से देश को एक अपूर्णीय क्षति हुई है।

श्री शाह ने कहा कि वह एक अद्भुत राजनेता, लोकप्रिय मुख्यमंत्री और कुशल प्रशासक थे। ■